राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार 24 जुलाई 2023 वर्ष-6,अंक-180 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त

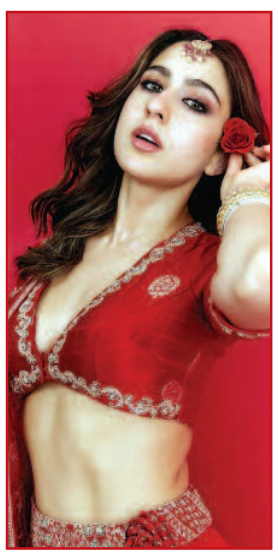

सारा ने ऑफिस स्पेस के लिए खरीदा अपार्टमेंट

सारा। अली खान ने हाल ही में मुंबई में लोटस डेवलपर्स ग्रुप की लोटस सिग्नेचर बिल्डिंग में नया ऑफिस स्पेस खरीदा है। आनंद पंडित लोटस ग्रुप के ओनर हैं। रियल एस्टेट वेबसाइट ९९ूं१ं२ के मुताबिक लोटस सिग्नेचर बिल्डिंग में एक अपार्टमेंट की कीमत ₹1.01 करोड़ से लेकर 1.46 करोड़ के बीच हो सकती है। इस कीमत में रजिस्ट्री चार्ज शामिल नहीं है। ये बिल्डिंग फिलहाल अंडर कंस्ट्रक्शन है। रिपोर्ट्स के मुताबिक दिसंबर 2025 तक बिल्डिंग को लोगों को हैंड ओवर कर देंगे। सोशल मीडिया पर इस खबर पर सारा के फैंस उन्हें लगातार बधाई दे रहे हैं। पैपराजी विरल भयानी की पोस्ट पर एक यूजर ने लिखा- बहुत बधाई हो आपको सारा! आप इसी तरह खूब तरक्की करते रहें। एक यूजर ने तंज कसते हुए लिखा कि इंटरनेशनल रोमिंग पैक का रिचार्ज रोककर बचाए पैसों से आप इस बिल्डिंग में अपार्टमेंट खरीद सकते हैं। दरअसल, पिछले दिनों सारा का एक वीडियो वायरल हुआ। इस वीडियो में सारा बता रही हैं कि जब वो अबू धाबी में क्ळ्ऋ अवॉर्ड सेरेमनी अटेंड करने गई थीं तब उन्होंने इंटरनेशनल रोमिंग रिचार्ज नहीं कराया क्योंकि इसकी कीमत 400 रुपए थी। सारा ने ये भी बताया कि उन्होंने हेयरड्रेसर के मोबाइल से अपने फोन पर इंटरनेट कनेक्ट कर-

हिमाचल: बाढ़ से 7 मौतें

दिल्ली में यमुना फिर खतरे के निशान से ऊपर, हरियाणा-यूपी और राजस्थान में भी अलर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली में यमुना का जलस्तर फिर खतरे के निशान से ऊपर हो गया है। रविवार सुबह हथिनीकुंड बैराज से 2 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद जलस्तर सुबह 7 बजे 205.81 मीटर तक पहुंच गया था। शनिवार को वाटर लेवल खतरे के निशान (205.33 मीटर) के आसपास रहा। जो लोग पानी कम होने के बाद अपने घरों में लौट गए थे, उनमें से कई शनिवार को राहत शिविरों में लौट आए। बीते दिन हिमाचल के कुल्लू व शिमला में बादल फटने की घटनाएं हुईं, वहीं अलग-अलग हादसों में 7 मौतें भी हुई हैं। इससे प्रदेश में मानसून में मरने वालों की संख्या 154 हो गई है। गुजरात के जूनागढ़ शहर में शनिवार को चार घंटों में हुई 10 इंच बारिश से बाढ़ आ गई। हालांकि, बारिश बंद हो गई लेकिन, कई इलाकों में अब भी पांच फीट तक पानी भरा हुआ है। महाराष्ट्र के इर्शालवाड़ी गांव में लैंडस्लाइड के चार दिन बाद भी 82 लोग लापता हैं। मरने वालों की संख्या 26 हो गई है। यवतमाल में बाढ़ में फंसे 45 लोगों को एयरफोर्स के दो हेलिकॉप्टर्स की मदद से एयरलिफ्ट किया गया। मध्य प्रदेश के छतरपुर में बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई और चार लोग घायल हैं। गुजरात के नवसारी में भारी बारिश के बीच एक व्यक्ति लापता हो गया, उसकी तलाश जारी है। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने बैठक की। मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में 25 जुलाई तक भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान जताया है। गुजरात के जूनागढ़ शहर में शनिवार को हुई बारिश में दुर्वेशनगर, गणेश नगर, जोशीपारा समेत कई इलाकों में सैकड़ों कच्चे मकान ढह गए। यहां के एक मंजिला मकान डूब गए थे, जिससे घरों का सामान बर्बाद हो गया। शहर और जिले में 144 की धारा लगा दी गई है। लोगों से अपील की गई है कि वे 24 जुलाई की रात तक बिना काम के घर से बाहर न निकलें। जूनागढ़ शहर और आसपास के सभी पर्यटन स्थलों पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। लोगों से बांधों और चेकडैम से दूर रहने की अपील की गई है। मौसम विभाग ने रविवार के लिए भी भावनगर, नवसारी, जूनागढ़ और वलसाड में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। हिमाचल में बादल फटने की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। शनिवार को कुल्लू व शिमला में बादल फटे हैं, वहीं अलग-अलग हादसों में 7 मौतें भी हुई हैं। इससे प्रदेश में मानसून में मरने वालों की संख्या 154 हो गई है। कुल्लू में 30 घर खाली करवाए गए हैं।उत्तर प्रदेश में बारिश का दौर एक बार फिर शुरू होने वाला है।

मणिपुर के बिष्णुपुर में आगजनी, इंफाल-चुराचांदपुर में फायरिंग

नई दिल्ली। मणिपुर में 4 मई को भीड़ ने दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर सड़क पर घुमाया था। 19 जुलाई को इसका वीडियो सामने आने के बाद राज्य में हिंसा बढ़ गई है। शनिवार (22 जुलाई) को चुराचांदपुर और इंफाल के पास मैतेई और कुकी समुदाय के बीच रात भर फायरिंग हुई। बिष्णुपुर के थोरबुंग में भीड़ ने एक स्कूल और कई घरों में आग लगा दी। इस बीच मिजोरम में पूर्व उग्रवादी संगठन शांति समझौता एमएनएफ रिटर्नीज एसोसिएशन (ढअटफ्ब) ने मैतेई को सतर्कता बरतने की एडवाइजरी जारी की। जिसके बाद डर के कारण मैतेई समुदाय के करीब 10 हजार लोगों ने पलायन शुरू कर दिया है। हालांकि मिजोरम सरकार ने मैतेई की सुरक्षा के लिए राजधानी आइजोल में चार बटालियन कैंप बनाए हैं। मणिपुर-मिजोरम सीमा पर भी सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई है। मणिपुर सरकार ने कहा है कि मिजोरम में मैतेई समुदाय के लोग डरे हुए हैं। हम उन्हें एयरलिफ्ट करेंगे। 40 लोग मिजोरम से मणिपुर आ चुके हैं। शनिवार को महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल मणिपुर पहुंची। एयरपोर्ट पहुंचते ही उन्होंने कहा- वह सीएम बीरेन सिंह से मिलने आई हैं। मणिपुर में 4 मई को दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने के साथ एक और घटना हुई थी। उसी दिन दो अन्य लड़कियों का रेप कर हत्या कर दी गई थी। ये घटना कांगपोकपी जिले के कोनुंग ममांग इलाके में हुई थी, यह जगह दूसरे घटनास्थल से 40 किलोमीटर दूर है। पीड़ितों के साथ काम करने वाले एक शख्स ने बताया कि एक लड़की की उम्र 21 और दूसरी की 24 साल थी। दोनों गैराज में काम करती थीं। उस दिन भीड़ में महिलाएं भी आई थीं। उन महिलाओं ने ही भीड़ में मौजूद मर्दों से उनका रेप करने के लिए कहा था। इसके बाद वो लड़कियों को कमरे में ले गए। लाइट बंद कर दी। उनके मुंह पर कपड़ा बांध दिया गया। डेढ़ घंटे बाद उनको घसीटते हुए बाहर लाया गया। उनके शरीर पर कपड़े नहीं थे। वो खून से लथपथ थीं। उनके बाल भी कटे हुए थे।

अराजकतत्वों ने कांवड़ियों पर किया पथराव

बरेली । सावन के तीसरे सोमवार से पहले माहौल खराब करने की कोशिश की गई। वनखंडी नाथ मंदिर के पास रविवार दोपहर को अराजकतत्वों ने कांवड़ियों पर पथराव कर दिया, जिससे अफरातफरी मच गई। घटना का वीडियो भी वायरल हुआ है। सूचना मिलते ही भारी पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गया है। घटना से कांवड़ियों में आक्रोश है। इलाके में पुलिस फोर्स तैनात कर दिया गया है। वनखंडी नाथ मंदिर शहर के प्रमुख नाथ मंदिरों में से एक है। यहां सावन के हर सोमवार को हजारों की संख्या में कांवड़िये पहुंचते हैं। तीसरे सोमवार को भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए कांवड़ियों के जत्थे पहुंचने शुरू हो गए। रविवार को कांवड़ियों का जत्था वनखंडी नाथ मंदिर जा रहा था। आरोप है कि इसी दौरान 50-60 लोगों की भीड़ ने कांवड़ियों पर पथराव कर दिया।

संघ प्रमुख मोहन भागवत का विपक्ष पर तंज

मुम्बई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि देश में बुरी चीजों के मुकाबले अब अच्छी चीजों पर 40 गुना अधिक चर्चा हो रही है। उत्तरी मुंबई के कांदिवली में सुवर्णा अस्पताल का उद्घाटन करने के बाद संघ प्रमुख ने यह बयान दिया। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी मौजूद रहे। भागवत ने कहा, कई बार नकारात्मक चर्चा सुनने को मिलती है। लेकिन जब हम देशभर में जाते हैं और देखते हैं तो हमें पता चलता है कि भारत में जो अच्छी चीजें हो रही हैं, उस पर बुरी चीजों के मुकाबले 40 गुना अधिक बात हो रही है। भागवत ने कहा कि आग के समय देश के उत्कर्ष का कारण सरकार की नीतियां और सरकार में मौजूद जिम्मेदार लोगों का काम है। उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि चीजें भी सुचारु ढंग से चल रही हैं क्योंकि कुछ लोग कुछ नहीं करते। अगर वे काम करेंगे तो जरूर दिक्कतें होंगी। उन्होंने कहा, आज के समाज में सिर्फ रोटी, कपड़ा और मकान ही नहीं, बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य भी आवश्यक हो गए हैं। भागवत ने कहा, द्यद्यअच्छा या बुरा तय करने का पैमाना क्या है? कुछ ऐसा होता है जो दिखाई देता है और दूसरी ओर कुछ ऐसा होता है जो असल में होता है। कोई इसे ऐसे दिखा सकता है कि यह हो गया, भले ही वह न हुआ हो। भागवत ने कहा कि लोगों में भारत को गौरव हासिल करते देखने की इच्छा 40 साल पहले की तुलना में आज अधिक प्रबल है।

राफेल को 'मेक इन इंडिया' मिसाइलों से किया जाएगा लैस!

देसी हथियारों को मिलेगा बड़ा फायदा

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना के राफेल लड़ाकू विमानों को मेक इन इंडिया हथियारों से लैस किया जा सकता है। दरअसल भारतीय वायुसेना ने इस संबंध में राफेल बनाने वाली फ्रांसिसी कंपनी दसो एविएशन से बात की है। दसो एविएशन यदि भारतीय वायुसेना की मांग को मान लेती है तो मेक इन इंडिया के लिहाज से यह गेमचेंजर साबित हो सकता है। इससे भारतीय हथियारों के लिए वैश्विक बाजार खुल सकता है।

बता दें कि दुनिया के कई देशों द्वारा राफेल लड़ाकू विमान इस्तेमाल किए जाते हैं। इनमें भारत, फ्रांस, मिस्त्र, कतर आदि शामिल हैं। साथ ही ग्रीस, क्रोएशिया, यूएई और इंडोनेशिया भी राफेल लड़ाकू विमानों के लिए ऑर्डर दे चुके हैं। रक्षा अधिकारियों का कहना है कि भारतीय वायुसेना ने दसो एविएशन से मांग की है कि भारत में डीआरडीओ द्वारा विकसित स्मार्ट एंटी एयरफील्ड वेपन और हवा से हवा में मार करने वाली अस्त्र मिसाइल से राफेल को एकीकृत किया जाए। ये मिसाइलें भारतीय वायुसेना 2020 से इस्तेमाल कर रही है। गौरतलब है कि डीआरडीओ द्वारा विकसित इन हथियारों के अलावा भारत की निजी कंपनियों द्वारा विकसित हथियारों को भी राफेल के साथ एकीकृत करने की वायुसेना की योजना है। रूस में निर्मित सुखोई 30एमकेआई विमानों में पहले से भी भारत में विकसित हथियार लगाए गए हैं। साथ ही एलसीए तेजस विमानों में भी मेक इन इंडिया के तहत बने हथियार लगाए गए हैं। भारतीय वायुसेना के पास 36 लड़ाकू विमान हैं और साथ ही भारतीय नौसेना के लिए भी 26 लड़ाकू विमानों का ऑर्डर दे दिया गया है। भारतीय सेना को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में यह बड़ा कदम साबित हो सकता है। हवा से हवा में मार करने वाली जिस अस्त्र मिसाइल को राफेल के साथ एकीकृत करने की मांग की जा रही है, वह 100 किलोमीटर की दूरी तक मार करने की क्षमता रखती है और इसका एडवांस वर्जन 160 किलोमीटर तक मार कर सकता है। इस मिसाइल को 300 किलोमीटर तक मार करने में सक्षम बनाया जा रहा है।

किसान को धमकी देकर लूटे 2 हजार किलो टमाटर: चेन्नई में बेचे

बेंगलुरु । 8 जुलाई को 2 हजार किलो टमाटर से भरे ट्रक को लूटने के मामले में कर्नाटक पुलिस ने एक कपल को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार कपल की पहचान वेल्लोर के रहने वाले भास्कर और उसकी पत्नी सिंधुजा के रूप में हुई है। मामले में तीन अन्य आरोपी रॉकी, कुमार और महेश की तलाश जारी है। किसान चित्रदुर्ग जिले के हिरियूर शहर से कोलार बाजार में टमाटर ले जा रहा था। टमाटरों पर नजर पड़ने के बाद बदमाशों ने गाड़ी का पीछा किया था। उन्होंने वाहन को रोक लिया और किसान और ड्राइवर के साथ मारपीट की। बदमाशों ने आरोप लगाया कि ट्रक ने उनकी गाड़ी को टक्कर मारी है। उन्होंने किसान से पैसों की मांग की और धमकाया। इसके बाद पैसे ट्रांसफर करवा लिए। वे किसान के साथ ट्रक में सवार हो गए। बाद में बदमाशों ने किसान को जबरदस्ती बाहर धकेल दिया था और टमाटर लदा ट्रक लेकर फरार हो गए। किसान ने इसकी शिकायत पुलिस में की थी। आरोपी ट्रक लेकर चेन्नई गए थे और वहां टमाटर बेचे थे। जब उन्होंने देखा कि ट्रक लूट की खबर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है तो उन्होंने ट्रक को वापस लाकर पीन्या और बेंगलुरु के पास पार्क कर दिया।

ऑनलाइन सट्टे में बिजनेसमैन 5 करोड़ जीता, 58 करोड़ हारा

गोंडिया। महाराष्ट्र के गोंदिया में एक बिजनेसमैन से ऑनलाइन सट्टे में 58 करोड़ की ठगी हो गई। मामले में पुलिस ने शनिवार (22 जुलाई) को आरोपी के घर छापा मारा तो वहां से 17 करोड़ कैश, 14 केजी गोल्ड और 200 केजी चांदी बरामद हुई। पुलिस ने बताया कि अनंत जैन नाम के एक क्रिकेट बुकी ने एक ऑनलाइन गैंबलिंग प्लेटफॉर्म बनाया था। इस प्लेटफॉर्म के जरिए ही उसने ठगी को अंजाम दिया। पुलिस का कहना है कि छापे से एक दिन पहले ही वह दुबई भाग गया। नागपुर पुलिस कमिश्नर ने बताया कि आरोपी अनंत जैन ने बिजनेसमैन को ज्यादा पैसे कमाने का लालच देकर ऑनलाइन सट्टा खेलने के लिए मनाया। शुरूआत में बिजनेसमैन ने हवाला एजेंट के जरिए 8 लाख रुपए अनंत जैन को ट्रांसफर किए। जैन ने बिजनेसमैन को ऑनलाइन गैंबलिंग अकांउट खोलने के लिए वॉट्सऐप पर एक लिंक भेजी। बिजनेसमैन ने 8 लाख रुपए के साथ सट्टा खेलने की शुरूआत की। गैंबलिंग की शुरूआत में बिजनेसमैन को फायदा हुआ, लेकिन बाद में वह हारने लगा। कुल मिलाकर उसने सिर्फ 5 करोड़ रुपए कमाए, वहीं 58 करोड़ गंवा दिए।

अमरोहा में तोड़ते समय माधव सिनेमा हॉल का छज्जा दीवार समेत गिरा, नौ मजदूर दबे, दो की मौत

अमरोहा। जिले में बड़ा हादसा हुआ है। नगर के आजाद रोड स्थित माधव सिनेमा हॉल की पुरानी बिल्डिंग की दीवार को तोड़ते समय छज्जे समेत दीवार गिर गई। मलबे के नीचे दबकर नौ मजदूर घायल हो गए। हादसे में दो की मौत हो गई। दोनों मजदूरों को अचेत अवस्था में मलबे से निकाला गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की। डीएम, एसपी समय तो आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। फिलहाल जेसीबी के द्वारा मलबे को हटाने का काम किया जा रहा है। अमरोहा नगर के रहने वाले कमलेश चंद अग्रवाल का आजाद रोड पर माधव सिनेमा हॉल है। पिछले तीन महीने से सिनेमा हॉल की पुरानी बिल्डिंग तोड़कर नया निर्माण कराया जा रहा था। सिनेमा हॉल को तोड़ने और नए निर्माण करने के लिए जहीर नाम के ठेकेदार को काम सौंपा गया था। रविवार की सुबह करीब नौ मजदूर सिनेमा हॉल की पुरानी दीवार तोड़ने का कार्य कर रहे थे। करीब 12 फिट ऊंची दीवार में छह फिट का छज्जा भी था। तोड़ते समय अचानक दीवार छज्जे समेत भरभरा कर गिर पड़ी। इस दौरान छज्जे और दीवार के मलबे के नीचे सभी मजदूर दब गए। करीब सात मजदूरों ने जैसे-तैसे मलबे से निकलकर अपनी जान बचाई। जबकि दो मजदूर याशीन और रफीक निवासी काली पगड़ी नीचे दबे रहे। हादसे जानकारी मिलते ही पुलिस प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंच गया और जेसीबी से मलबे को हटाने का कार्य शुरू कर दिया।बमुश्किल दोनों मजदूरों को अचेत अवस्था में बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। डीएम राजेश कुमार त्यागी, एसपी आदित्य लांगहे, एसडीएम प्रतिभा सिंह, सीएफओ अनिल कुमार समेत आला अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए और पूरी घटना का जायजा लिया। वहीं डीएम राजेश कुमार त्यागी ने ठेकेदार द्वारा लापरवाही बरतने की बात कही है। साथ ही बिल्डिंग निर्माण की अनुमति ली गई थी या नहीं इसकी जांच कराने की बात कही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अभी और कितना जलेगा मणिपुर

रमेश सर्राफ धमोरा

विपक्षी दलों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो हमेशा शांति व भाईचारे की बातें करते हैं। वह पिछले तीन महीने से मणिपुर को लेकर चुप क्यों है। प्रधानमंत्री मोदी को मणिपुर की हिंसा को रोकने के लिए मणिपुर का दौरा कर वहां के लोगों से बात करनी चाहिए। उन्हें विश्वास देना चाहिए कि केंद्र सरकार वहां के लोगों के अधिकारों में किसी भी तरह की कटौती नहीं होने देगी। गृह मंत्री अमित शाह मई महीने में मणिपुर का दौरा कर विभिन्न समुदायों के लोगों से मिल चुके हैं। लेकिन उनके दौरे का मणिपुर में शांति बहाली के दिशा में कोई प्रभाव नजर नहीं आ रहा है।

मणिपुर देश के पूर्वोत्तर में स्थित एक महत्वपूर्ण राज्य है। जिसकी सीमा पड़ौसी देश म्यांमार से लगती है। पिछले 3 महीनों से मणिपुर राज्य अंदरूनी हिंसा से जूझ रहा है। यहां की आबादी के दो प्रमुख समुदाय मैतई व कुकी जनजाति के मध्य जातीय संघर्ष छिड़ा हुआ है। जिसमें अब तक सरकारी आंकड़ों के अनुसार 160 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है व 450 लोग घायल हो चुके हैं। तीन महीने बीत जाने के बाद भी आपसी संघर्ष रुकने का नाम नहीं ले रहा है। मणिपुर में 2017 से भाजपा के एन बीरेन सिंह मुख्यमंत्री है। लेकिन इस समय एन बीरेन सिंह की सरकार वहां की हिंसा पर नियंत्रण करने पर पूरी तरह से विफल साबित हो रही है। हर दिन हो रही आपसी मारकाट के चलते मणिपुर का जनजीवन पूरी तरह से ठप्प हो गया है।

हाल ही में एक पुरानी घटना का वीडियो सामने आया था। जिसमें कुछ महिलाओं के साथ मैतई समुदाय के लोगों ने बलात्कार कर उनको नंगा घुमाया था। इस घटना के सामने आने के बाद पूरा देश खुद को शर्मसार महसूस कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस घटना पर स्वतः प्रसंज्ञान लेते हुए केंद्र व राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि मणिपुर में शांति बहाली की दिशा में त्वरित कार्यवाही की जाए। विपक्षी दलों के नेता लंबे समय से मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग कर रहे हैं।

प्रदेश में चल रही अशांति के चलते मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह कुछ समय पूर्व राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपने जा रहे थे तो रास्ते में महिलाओं के समूह ने एकत्रित होकर उनके इस्तीफे को छीनकर फाड़ दिया था। विपक्ष द्वारा उस घटना को सरकार द्वारा प्रायोजित घटना बताई जा रही है। वही उस घटना के बाद मुख्यमंत्री ने कहा था कि वह प्रदेश को आपसी संघर्ष की आग में जलता हुआ छोड़कर अपनी जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोडेगें।

सुप्रीम कोर्ट के प्रसंज्ञान के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मणिपुर की घटनाओं की निंदा करते हुए गहरा दुख प्रकट किया है। उन्होने कहा किसी भी अपराधी को बक्सा नहीं जाएगा। मणिपुर की पुलिस भी आपसी जातीय गुटों में बंट चुकी है। पुलिस के जवान पुलिस थानों से आधुनिक हथियार छीनकर एक दूसरे के खिलाफ उपयोग कर रहें हैं। राज्य सरकार शांति बहाली की प्रक्रिया में पूरी तरह असफल रही है। ऐसे में केंद्र सरकार को त्वरित कार्यवाही करते हुए मणिपुर में शांति बहाली हो इस दिशा में तेजी से काम करना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्वयं आगे आकर सभी विपक्षी दलों के नेताओं से मणिपुर की स्थिति को लेकर चर्चा कर उनके सुझाव लेने चाहिए। मणिपुर से म्यांमार की 350 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा लगती है। जिसके ज्यादातर हिस्से में किसी तरह की फेंसिंग नहीं होने के कारण लोगों का बिना किसी डर के आना जाना लगा रहता है। म्यांमार में सेना द्वारा तख्ता पलटने के बाद बड़ी संख्या में वहां से शरणार्थियों ने पलायन कर मणिपुर में घुसपैठ कर ली है। जिससे भी मणिपुर की स्थिति और अधिक खराब हो गयी है। म्यांमार से आने वाले शरणार्थियों का मणिपुर के कुकी लोगों के साथ जुड़ाव होने के चलते मैतई लोगों में भय है कि शरणार्थियों के कारण कुकी लोगों की आबादी बढ़ने से वह बहुसंख्यक बन जाएंगे।

मणिपुर की आबादी करीब 38 लाख है। यहां तीन प्रमुख समुदाय मैतेई, कुकी और नगा है। मैतई ज्यादातर हिंदू हैं। कुकी-नगा ईसाई हैं व एसटी वर्ग में आते हैं। मैतई आबादी करीब 55 प्रतिशत है जो इम्फाल घाटी में रहते हैं। वहीं कुकी-नगा आबादी करीब 45 प्रतिशत है। जो ज्यादातर पहाड़ों में रहते हैं। मैतई समुदाय ने मणिपुर हाईकोर्ट में याचिका लगाकर उन्हें भी जनजाति का दर्जा देने की मांग की थी। उनकी दलील थी कि 1949 में मणिपुर का भारत में विलय होने से पहले उन्हें जनजाति का दर्जा मिला हुआ था। इसके बाद हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से सिफारिश की थी कि मैतेई को अनुसूचित जनजाति में शामिल किया जाए। नगा-कुकी दोनों जनजाति मैतई समुदाय को आरक्षण देने के विरोध में हैं। आदिवासी समूहों को डर है कि यदि मैतई को विशेष दर्जा मिलता है तो उनका पहाड़ी क्षेत्रों पर भी कब्जा हो जाएगा। इनका कहना है कि राज्य की 60 में से 40 विधानसभा सीट पहले से मैतई बहुल इम्फाल घाटी में हैं। ऐसे में मैतई को एसटी का आरक्षण मिलने से उनके अधिकारों का बंटवारा होगा। मणिपुर के 60 में से 40 विधायक मैतई और 20 विधायक नगा-कुकी जनजाति से हैं। अब तक 12 में से दो ही मुख्यमंत्री नगा, कुकी जनजाति से रहे हैं।

मैतई और कुकी कि अलग-अलग संस्कृति और परंपरा है। विवाद के मूल कारण पहाड़ी बनाम घाटी की पहचान का संघर्ष और समान विकास नहीं होना है। मैतई राजनीतिक प्रभुत्व वाला समुदाय है जिनके कारण राज्य का विकास घाटी तक ही सीमित है। सरकारी नौकरियों में भी मैतई समुदाय का प्रभुत्व अधिक है। राज्य के कानून के कारण मैतई समुदाय के लोग पहाड़ों में जमीन नहीं खरीद सकते हैं। जबकि कुकी सहित अन्य जनजाति समूह के लोग राज्य के किसी भी हिस्से में जमीन खरीद सकते हैं। इसी कारण से मैतई लोगों को लगता है कि राज्य के कानून में जनजातियों को उनकी आबादी की तुलना में अधिक लाभ प्रदान किए गए हैं।

मणिपुर में चल रहे आपसी जाति युद्ध को समाप्त करने के लिए केंद्र सरकार को मणिपुर के सभी समुदायों में विश्वास पैदा करना होगा। केंद्र सरकार को वहां के लोगों को यह बताना होगा कि किसी भी जाति, धर्म, समुदाय के लोगों के साथ भेदभाव नहीं होगा। उनके अधिकारों का किसी भी सूरत में हनन नहीं होने दिया जाएगा। केंद्र सरकार के बड़े नेताओं को मणिपुर जाकर शांति बहाली के प्रयास करने चाहिए।

आज मणिपुर में हिंसा की आग इतनी तेज हो गई है कि कोई भी राजनीतिक दल या नेता दिल्ली में बैठकर मणिपुर में शांति बहाल नहीं कर सकता है। अब तो मणिपुर के पड़ोसी राज्यों के मुख्यमंत्री भी मणिपुर में चल रही हिंसा को लेकर चिंता जाहिर करने लगे हैं। उन्हें भी डर है कि यदि मणिपुर में भड़की हिंसा पर शीघ्र ही काबू नहीं पाया गया तो धीरे-धीरे उसका असर पड़ोसी राज्यों के लोगों पर भी पड़ने लगेगा। जिससे वहां भी कानून व्यवस्था की स्थिति व्याप्त हो सकती है।

विपक्षी दलों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो हमेशा शांति व भाईचारे की बातें करते हैं। वह पिछले तीन महीने से मणिपुर को लेकर चुप क्यों है। प्रधानमंत्री मोदी को मणिपुर की हिंसा को रोकने के लिए मणिपुर का दौरा कर वहां के लोगों से बात करनी चाहिए। उन्हें विश्वास देना चाहिए कि केंद्र सरकार वहां के लोगों के अधिकारों में किसी भी तरह की कटौती नहीं होने देगी। गृह मंत्री अमित शाह मई महीने में मणिपुर का दौरा कर विभिन्न समुदायों के लोगों से मिल चुके हैं। लेकिन उनके दौरे का मणिपुर में शांति बहाली के दिशा में कोई प्रभाव नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में प्रधानमंत्री को सामने आकर प्रदेश में शांति बहाली की प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी तभी मणिपुर में शांति बहाली हो पाएगी।

संपादकीय

त्वरित न्याय जरूरी

महिलाओं पर यौन हमलों से वीड़ियो वायरल होने के बाद मणिपुर के हालात दुनिया के सामने आ चुके हैं। मैतई व कुकी समुदाय के बीच राज्य में हिंसक संघर्ष जारी है। इस खौफनाक वीड़ियो पर लोगों के गुस्से के बाद मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने मीड़िया में बयान दिया कि ऐसे सैकड़ों मामले और भी हुए हैं। यह घटना चार मई की बताई जा रही है। जहां दो महिलाओं के कपड़े. उतार कर सड़क पर दौड़ाया ही नहीं गया बल्कि उनके साथ बलात्कार भी हुआ। जिसकी 18 मई को एफआईआर दर्ज की गई। खबरें कह रही हैं, खास जातीय समूह की महिलाओं का चुन-चुन कर बलात्कार किया जा रहा है।

वीड़ियो फैलने के बाद गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि उनका हृदय पीड़ा से भरा हुआ है। 65 दिनों बाद पहली बार उन्होंने इस घटना पर चुप्पी तोड़ी। प्रधानमंत्री का यह कहना कि देश की बेइज्जती हो रही है और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने भी बाद में यह जोड़ा कि वे दोषियों को फांसी की सजा दिलवाएंगे। दरिंदगी भरे इस वीड़ियो को देखते ही जनता गुस्से से फूट पड़ी। लोगों ने इस पर न सिर्फ नाराजगी व्यक्त की बल्कि सरकार की तरफ से हो रही कोताही पर भी अनाप-शनाप बातें कीं। दरिंदे जिस तरह युवती के अंगों को सरेआम नोच-खसोट रहे हैं, उसे देखकर रोंगटे खड़े. हो जाते हैं। बलवा हो या युद्ध, महिलाओं को इसकी बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। लेकिन हैरत हो रही है कि केंद्र सरकार द्वारा इस गंभीर स्थिति पर लगातार ढुस्लमुल रवैया अख्तियार किया गया। मुख्यमंत्री द्वारा बताई गइं सैकड़ों भुक्तभोगी पीड़िताओं को न्याय दिलाने के लिए कौन आगे आएगा? इतनी फजीहत के बाद चार आरोपित ही पुलिस की पकड़. में आए हैं। उन खूंखार दरिंदों व बलवाइयों को आखिर जल्द-से-जल्द गिरफ्त में कैसे लाया जाएगा। हकीकत है कि यौन हिंसा की शिकार औरतें इस दर्द से ताउम्र नहीं निकल पातीं। उस पर इस तरह की जघन्य पीड़ा झेलने के बाद उन्हें सामान्य जीवन की तरफ कैसे लौटाया जा सकेगा। संसद का सत्र चालू होते ही इस मामले पर विपक्ष विफर गया, जिस पर बात करने की बजाए तीन दिन के लिए उसे स्थगित करना, घटना से ध्यान भटकाना है। यह घटना कतई आम नहीं है। इस जघन्यता पर त्वरित संज्ञान लेना होगा। इससे अंतरराष्ट्रीय पटल पर ही हमारी छवि नहीं धूमिल हो रही बल्कि महीनों से मचे उपद्रव के प्रति हो रही लापरवाही भी जाहिर हो रही है।

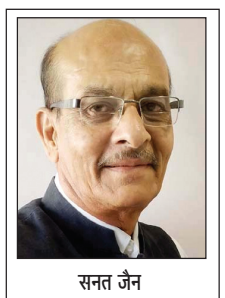

चिंतन-मनन

उपाय भी ठीक से हो

एक सास ने बहू से कहा, बहूरानी! मैं अभी बाहर जा रही हूं। एक बात का ध्यान रहे, घर में अंधेरा न घुसने पाए। बहू बहुत भोली थी। सास चली गई, सांझ होने को आई। उसने सोचा कि अंधेरा कहीं घुस न जाए, सारे दरवाजे बंद कर दिए। सब खिड़कियां बंद कर दीं। दरवाजे के पास लाठी लेकर बैठ गई। सोचा- दरवाजा खुला नहीं है, कोई खिड़की खुली है, कहीं भी कोई छेद नहीं। आएगा तो दरवाजा खटखटाएगा, लाठी लिए बैठी हूं, देखती हूं कैसे अन्दर आएगा। पूरी व्यवस्था कर दी। अंधेरा गहराने लगा। सोचा, कहां से आ गया! कहीं भी तो कोई रास्ता नहीं है। हो न हो दरवाजे से ही आ रहा है। अन्धकार को पीटना शुरू कर दिया। काफी पीटा कि निकल जाओ मेरे घर से! मेरी सास की मनाही है कि तुम्हें भीतर घुसना नहीं है! खूब लाठियां बजाई। लाठी टूटने लगी। हाथ छिल गए। लहूलुहान हो गए। अंधेरा तो नहीं गया। परेशान हो गई।

सास आई। दरवाजा खोला। कहा, यह क्या किया? मैंने कहा था कि अंधेरे को मत आने देना घर में। वह बोली, देखो, मेरे हाथ देख लो। लहूलुहान हो गए। लाठी टूट गई। मैंने बहुत समझाया, बहुत रोका, पर इतना जिद्दी है कि माना ही नहीं और यह तो घुस ही गया। सास ने सिर पर हाथ रखा। कहा, बहूरानी! अंधेरे को ऐसे मिटाया जाता है? क्या अंधेरा ऐसे मिटता है? समझी नहीं तुम बात को। सास ने दीया जलाया, अंधेरा समाप्त हो गया। उपाय के बारे में हमारी जानकारी सही नहीं होती तो हम प्रयत्न तो करते हैं, परिश्रम करते हैं, पर अंधेरा मिटता नहीं।

काशी में मंदिर प्रमुखों का महाकुंभ, स्मार्ट टेंपल की तैयारियां

सनत जैन

काशी विश्वनाथ की नगरी वाराणसी में 3 दिन का इंटरनेशनल टेंपल कन्वेंशन का सम्मेलन शुरू हो गया है। इसमें देश एवं विदेशों के बड़ी संख्या में मंदिर प्रबंधक शामिल हुए है। अमेरिका ब्रिटेन मलेशिया और कनाडा सहित 32 देशों के मंदिर प्रबंधकों को भी इस सम्मेलन में आमंत्रित किया गया है।

मंदिरों में किस तरह की व्यवस्था हो मंदिरों के धन का उपयोग किस तरह से हो, छोटे शहरों और गांवों में जो मंदिर स्थापित हैं, उनका कैसे जीर्णोद्धार कर भव्य स्वरुप दिया जाए, मंदिरों से स्वास्थ्य सेवाओं और लंगर इत्यादि को चलाने तथा गरीब बच्चों की पढ़ाई की दिशा में मंदिरों में क्या प्रबंध किए जा सकते हैं, इस संबंध में विचार किया जा रहा है। इस सम्मेलन की शुरूआत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत के दीप प्रज्वलन से शुरू हुई। मोहन भागवत ने मंदिरों को राष्ट्रीय एकता का सूत्रधार बताते हुए मंदिरों को उपासना सेवा और भारतीय कला का केंद्र बनाने की आवश्यकता जताई। राजनीतिक क्षेत्रों में काम करने वाले नेताओं को विशेष रूप से हिंदू धर्म की रक्षा में जुटे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को दुनिया भर के मंदिरों में 3.28 लाख करोड़ रुपए की जो आय हो रही है, उसके के माध्यम से हिंदुत्व को किस तरीके से एक बेहतर धर्म के रूप में स्थापित किया जाए। इसके लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिन्दू धर्मायजनों को एक मंच पर लाने की तैयारी है। बिना चमत्कार के कोई नमस्कार नहीं करता है। अब मंदिरों में ऐसा क्या चमत्कार हो, कि सब लोग नमस्कार करने के लिए विवश हों। इसके लिए मंदिरों को स्मार्ट मंदिर के रूप में स्थापित करने, उनको जनसाधारण के सरोकार से जोड़ने, भगवान और देवी देवताओं के चमत्कारों के माध्यम से मंदिरों के चमत्कार को जनसाधारण तक पहुंचाने की मुहिम के रूप हो। इस सम्मेलन में 10 देशों के प्रतिनिधि वाराणसी पहुंचे हैं। 22 देशों की सहभागिता डिजिटल माध्यम से इस सम्मेलन में हो रही है। भारत सहित 57 देशों में स्थापित 9000 से ज्यादा मंदिरों का डाटाबेस संघ ने तैयार किया है। इस आयोजन को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड से भी जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। भारत के सबसे ज्यादा धनी तिरुमाला मंदिर का सालाना बजट 4400 करोड रुपया है। तिरुपति मंदिर ही एकमात्र भारत का ऐसा मंदिर है। जहां पर 7000 कर्मचारी काम करते हैं। मंदिर द्वारा शैक्षणिक गतिविधियां संचालित की जाती हैं। मंदिर में स्वास्थ्य और वैदिक अध्ययन इत्यादि की सुविधाएं हैं। तिरुपति मंदिर का 17000 करोड़ रुपए का निवेश बैंकों में है। इसी तरह से पद्मनाभ मंदिर भारत के सबसे धनी मंदिर की सूचियों में शामिल है। इन मंदिरों कि आय और इनकी ताकत को लेकर एक नए राजनैतिक समीकरण की शुरूआत भारत और दुनिया के देशों में होने जा रही है। इसकी अगुवाई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कर रहा है। उसका राजनीतिक एजेंडा भी साथ-साथ चलता है। इस मुहिम में कोई शंकराचार्य का धमार्चार्य शामिल नहीं है। मंदिर के प्रबंधक संघ छत के नीचे आने के लिए सहमत होते हैं या नहीं। इसको लेकर भी सम्मेलन में जो प्रबंधक आए हुए हैं, वह इस तरह की पहल से असहमत हैं। पिछले कई वर्षों में केंद्र सरकार और राज्य सरकारों का मंदिरों की व्यवस्था और मंदिरों की आय को लेकर जो हस्तक्षेप सरकारों द्वारा किया जा रहा है। उसे मंदिर प्रबंधक स्वीकार नहीं कर रहे हैं। जगह-जगह पर धार्मिक आधार पर चमत्कारी मंदिर तैयार हो जाएंगे, तो जिन मंदिरों की चमत्कारिक पौराणिक प्रतिष्ठा है, उनकी आय भी आगे चलकर प्रभावित हो सकती है। मंदिर प्रबंधकों की स्वायत्तता और स्वतंत्रता भी खतरे में पड़ सकती है। इसको लेकर भी जो मंदिर प्रबंधक वाराणसी पहुंचे हैं। उनके बीच में तरह-तरह की आशंकाएं देखने को मिल रही हैं। मंदिरों में जनता अपनी श्रद्धा और भक्ति के साथ जो पैसा दान करती है। निश्चित रूप से उसका उपयोग आम जनों के लिए होना ही चाहिए। जितने भी भगवान पौराणिक हिंदू मान्यताओं में हैं। उन्होंने जन कल्याण के लिए अपना सब कुछ छोड़कर जन कल्याण के लिए काम किया। उन्होंने जंगलों में तपस्या की। खुद कष्ट सहे, भक्तों के कष्ट दूर किये। जिसके कारण वह भक्तों के भगवान बन पाए। इस कलयुग में जिस तरह से मंदिरों में बैठे हुए भगवानों की मूर्तियों को सोने चांदी और बड़े-बड़े महलों में रहने के लिए विवश किया जा रहा है, उससे ईश्वर की छवि में भी विपरीत असर पड़ रहा है। जब भारत में स्मार्ट मंदिर बनेंगे, उन में घुसने वाले लोग धनी मानी होंगे। गरीबों भक्तों को दर्शन करने में कठिनाई होगी। उन्हें लाइने लगाकर दर्शन करने के लिए विवश किया जाएगा। वहीं धनी मानी लोग दान और पैसे देकर भगवान के तुरंत दर्शन कर पाएंगे। इससे भक्तों की श्रद्धा में भी कमी आने से कोई रोक नहीं पायेगा। आस्था और श्रद्धा लाखों-करोड़ों गरीब भक्तों की होती है। धनवान लोग भगवान के दर्शन करने के लिए जिस तरह से अपने धन और ऐश्वर्य का प्रदर्शन करते हैं। सनातन संस्कृति के अनुसार हमारे भगवान उनकी भक्ति को स्वीकार भी नहीं करते हैं। क्योंकि उसमें अहंकार होता है। भक्ति में अहंकार का कोई स्थान नहीं है। पहली बार देश के सभी मंदिरों के व्यवस्थापक एकजुट हो रहे हैं। यदि वह धार्मिक भावनाओं से भक्तों के कष्ट निवारण के लिए एकजुट होकर काम करते हैं, तो इसमें किसी को कोई तकलीफ नहीं होनी चाहिए। वाराणसी में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में मंदिर के व्यवस्थापक एकजुट हो रहे हैं। संघ के बुलावे पर सब यहां आए हैं। वर्तमान स्थिति में इनके पास अन्य कोई विकल्प भी नहीं था। शंकराचार्यों एवं धमार्चार्यों के शा?मिल नहीं होने की क्रिया और प्रतिक्रिया किस रूप में होगी, इसको लेकर केंद्र सरकार और संघ को भी सतर्क होने की जरूरत है।

वैश्विकी: यूक्रेन-पाकिस्तान की सांठगांठ

डॉ. दिलीप चौबे

आर्थिक बदहाली से जूझ रहा पाकिस्तान अब यूक्रेन युद्ध में कूदने की कोशिश कर रहा है। यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने एकाएक पाकिस्तान की यात्रा की तथा वहां के नेताओं से मंत्रणा की।

कूटनीतिक और सैन्य हलकों में कयास लगाया जा रहा है कि यूक्रेन पाकिस्तान से हथियारों की आपूर्ति चाहता है। इसके पहले भी इस तरह की खबरें आई थीं कि पाकिस्तान एक ओर रूस से सस्ते कच्चे माल का आयात कर रहा है वहीं दूसरी ओर यूक्रेन को हथियार मुहैया करा रहा है। कुलेबा के साथ बातचीत के बाद विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने यह सफाई दी कि उनका देश यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति नहीं करेगा। लेकिन इस सार्वजनिक बयान के बावजूद पाकिस्तान गोपनीय रूप से यदि यूक्रेन को हथियार भेजता है तो इसमें कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए। पाकिस्तान के पास अमेरिका और चीन से हासिल किए गए हथियारों का जखीरा है।

यूक्रेन हाल के दिनों में हथियारों की कमी का शिकार है। अमेरिका और नाटो देशों की ओर से लगातार हथियारों की आपूर्ति के बावजूद यूक्रेन युद्ध के मोर्चे पर रूस का मुकाबला नहीं कर पा रहा है। रिपोर्टों के अनुसार पश्चिमी देशों की खुफिया एजेंसियां पाकिस्तान और यूक्रेन के बीच कोई समझौता कराने की फिराक में है। पिछले दिनों अमेरिका और पश्चिमी देशों ने पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (क्टत्र्) से कर्ज दिलाने में मदद की है। पाकिस्तानी सेना अमेरिका और पश्चिमी देशों के प्रभाव में रही है। यह संभव है कि राजनीतिक नेतृत्व की राय से हटकर पाकिस्तानी सेना यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति करने का प्रयास करे। यदि ऐसा होता है तो रूस की ओर से सख्त प्रतिक्रिया होगी।

यूक्रेन युद्ध एक खतरनाक दौर की ओर बढ़ रहा है। रूस ने काला सागर से होकर खाद्यान्न की आपूर्ति संबंधी समझौते से हटने का ऐलान किया है। इस समझौते के जरिये काला सागर से होकर यूक्रेन और रूस के खाद्यान्न की आवाजाही होती थी। समझौते के रद्द होने के बाद दुनिया विशेषकर अफ्रीकी देशों में खाद्यान्न का संकट पैदा हो सकता है। रूस का तर्क यह है कि इस समझौते के जरिये यूक्रेन का खाद्यान्न गरीब देशों की बजाय यूरोपीय देशों को भेजा जा रहा है।

रूस का कहना है कि गरीब देशों को केवल 03 फीसद, यूरोपीय देशों को 41 फीसद और शेष मध्यम आय वर्ग वाले देशों को भेजा गया है। रूस का यह भी आरोप है कि जहां वह एक ओर यूक्रेन के लिए सुरक्षित समुद्री गलियारा उपलब्ध करा रहा है वहीं दूसरी ओर अमेरिका और पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के कारण उसका खाद्यान्न निर्यात बाधित हो रहा है।

समझौते की ओर दोबारा लौटने के लिए रूस ने शर्त रखी है कि इसके खाद्यान्न निर्यात पर लगाई गई रोक हटाई जाए। कुछ महीने पूर्व जब खाद्यान्न समझौते का नवीनीकरण का मुद्दा सामने आया था तब भारत ने मध्यस्थता की थी। तुर्की ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से अनुरोध किया था कि वह रूस को राजी करे।

जयशंकर ने इस संबंध में रूस के विदेश मंत्री सग्रेई लावरोव से बातचीत की थी, उसके बाद रूस समझौते को आगे बढ़ाने पर सहमत हो गया था। लेकिन इस बार ऐसा होगा इसमें संदेह है। खाद्यान्न सुरक्षा के नाजुक हालात को देखते हुए भारत ने चावल निर्यात पर रोक लगाने का फैसला किया है।

काला सागर संघर्ष का एक नया क्षेत्र बन रहा है। रूस ने चेतावनी दी है कि यहां से गुजरने वाले किसी भी जलयान को शत्रु का जलयान माना जाएगा। रूसी सेना ने संदिग्ध जलयानों पर धावा बोलने का अभ्यास शुरू किया है। हालांकि अमेरिका ने घोषणा की है कि वह यूक्रेन के जलयानों को अपने युद्धपोतों के जरिये सुरक्षा मुहैया नहीं कराएगा। इसे रूस और नाटो देशों के बीच सीधे संघर्ष की आशंका फिलहाल टल गई है। लेकिन यह स्थिति कब तक जारी रहेगी कहना मुश्किल है।

युद्ध के मोर्चे पर यूक्रेन जवाबी हमले में नाकाम साबित हो रहा है। पिछले कुछ दिनों के दौरान उसने रूस की मुख्य भूमि और क्रीमिया को जोड़ने वाले सबसे बड़े पुल कर्च ब्रिज को निशाना बनाया है। साथ ही उसने क्रीमिया पर भी ड्रोन हमले किए हैं। राष्ट्रपति पुतिन इसे गंभीर मामला मानते हैं। आशंका है कि रूस की ओर से यूक्रेन के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व को निशाना बनाया जा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गोल्ड ईटीएफ में निवेशकों ने जून तिमाही में किया 298 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली । गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड कोषों (गोल्ड-ईटीएफ) में अप्रैल-जून की तिमाही में 298 करोड़ रुपए का निवेश आया है। इससे पिछली लगातार तीन तिमाहियों के दौरान गोल्ड ईटीएफ से निकासी देखने को मिली थी। विशेषज्ञों का मानना है कि निवेशक अपनी संपत्ति का कुछ हिस्सा सुरक्षित निवेश उत्पाद में निवेश करना जारी रखेंगे। हालांकि, यदि एक साल पहले की समान अवधि से तुलना की जाए, तो गोल्ड ईटीएफ में निवेश 80 प्रतिशत घट गया है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों से पता चलता है कि समीक्षाधीन तिमाही में गोल्ड ईटीएफ का परिसंपत्ति आधार और निवेशक खातों या फोलियो की संख्या में वृद्धि हुई है। आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल-जून तिमाही में गोल्ड-ईटीएफ में 298 करोड़ रुपए का निवेश आया है। इससे पहले मार्च तिमाही में गोल्ड ईटीएफ से 1,243 करोड़ रुपए, दिसंबर तिमाही में 320 करोड़ रुपए और सितंबर तिमाही में 165 करोड़ रुपए की निकासी देखने को मिली थी। वहीं जून, 2022 को समाप्त तिमाही में गोल्ड ईटीएफ में 1,438 करोड़ रुपए निवेश आया था। पिछली कुछ तिमाहियों में गोल्ड ईटीएफ से निकासी की वजह दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ को समाप्त करना और स्थानीय शेयर बाजारों की तुलना में सोने का प्रदर्शन कमजोर रहना है। इसके अलावा सोने की कीमतें ऊंचे स्तर पर कारोबार कर रही हैं, जो निवेशकों को किनारे पर रहने और निवेश के प्रति अधिक संतुलित दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

आरबीएल बैंक का मुनाफा 43 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली । निजी क्षेत्र के आरबीएल बैंक ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 288 करोड़ रुपए का लाभ कमाया है जो पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही के 201 करोड़ रुपए लाभ की तुलना में 43 प्रतिशत अधिक है। बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी आर सुब्रमणियाकुमार ने निदेशक मंडल की बैठक के बाद जारी बयान में वित्तीय लेखाजोखा पेश करते हुए कहा कि जून में समाप्त इस तिमाही में बैंक की शुद्ध ब्याज आय 1246 करोड़ रुपए रही है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 1028 करोड़ रुपए की तुलना में 21 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि गैर निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) में उल्लेखनीय सुधार हुआ है क्योंकि जून 22 में समाप्त तिमाही में सकल एनपीए 4.08 प्रतिशत था जो इस वर्ष जून की तिमाही में घटकर 3.22 प्रतिशत पर आ गया। इसी तरह से शुद्ध एनपीए भी 1.16 प्रतिशत की तुलना में गिरकर जून 23 की तिमाही में 1.00 प्रतिशत पर आ गया।

एनएसई ने निवेशकों को दी चेतावनी, न पड़े सुनिश्चित रिटर्न योजना के झांसे में

नई दिल्ली । नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) ने निवेशकों को दो व्यक्तियों की तरफ से प्रस्तावित किसी भी सुनिश्चित लाभ योजना में अपना पैसा लगाने के प्रति आगाह किया। ये दो व्यक्ति शेयर बाजार से जुड़े उज्जवल प्रियदर्शी और ट्रेडश्योर से जुड़ी नेहा हैं। एनएसई ने दो अलग-अलग बयानों में कहा कि वे उज्ज्वल और नेहा को शेयर बाजार में निवेश पर सुनिश्चित लाभ देने और कारोबार के लिए प्रतिभूति बाजार संबंधी सलाह प्रदान कर रहे थे और निवेशकों को उनके ट्रेडिंग खातों को संभालने की पेशकश भी कर रहे थे। बयानों के अनुसार, ये व्यक्ति एक्सचेंज के पंजीकृत सदस्य के सदस्य या अधिकृत व्यक्ति के रूप में पंजीकृत नहीं हैं। एनएसई ने निवेशकों को सावधान करते हुए उनसे शेयर बाजार में गारंटीशुदा रिटर्न की पेशकश करने वाले किसी भी व्यक्ति या संस्था की तरफ से पेश की गई ऐसी किसी भी योजना या उत्पाद की सदस्यता नहीं लेने को कहा। यह कानून के तहत प्रतिबंधित है। एक्सचेंज ने निवेशकों को पंजीकृत सदस्य और अधिकृत व्यक्तियों के विवरण की जांच करने के लिए अपनी वेबसाइट पर अपने स्टॉक ब्रोकर को जानें/पता लगाएं की सुविधा भी प्रदान की है। इसके लिए निवेशकों को आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा।

फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर फैसले से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

डॉलर के मुकाबले रुपए के उतार-चढ़ाव तथा कच्चे तेल के दाम भी बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण होंगे

मुंबई । इस सप्ताह ब्याज दर पर अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के फैसले तथा भारतीय कंपनियों के जून तिमाही के नतीजों से शेयर बाजारों की दिशा तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों का कहना है कि मासिक डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान की वजह से सप्ताह के दौरान बाजार में कुछ उतार-चढ़ाव रह सकता है। इसके अलावा वैश्विक बाजारों के रुझान और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेंगी। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के एक शोध प्रमुख ने कहा कि 26 जुलाई को अमेरिकी केंद्रीय बैंक ब्याज दर पर अपने निर्णय की घोषणा करेगा। संभावना जताई जा रही है कि फेडरल रिजर्व ब्याज दर में चौथाई प्रतिशत की और वृद्धि कर सकता है। इस घोषणा के दौरान बाजार भागीदारों की निगाह फेडरल रिजर्व की टिप्पणी पर भी रहेगी। इसके अलावा 28 जुलाई को बैंक ऑफ जापान भी अपने नीतिगत फैसले की घोषणा करेगा। सप्ताह के दौरान टाटा स्टील, एशियन पेंट्स, एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस, बीपीसीएल और टेक महिंद्रा जैसी कंपनियां अपने जून तिमाही के नतीजों की घोषणा करेंगी। देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने हाल ही में अपने तिमाही नतीजों की घोषणा कर दी थी। कंपनी का तिमाही लाभ 11 प्रतिशत घटा है। ऐसे में सोमवार को सभी की निगाह रिलायंस के शेयर पर रहेगी। जुलाई के लिए वायदा एवं विकल्प खंड में गुरुवार को निपटान की वजह से भी बाजार में उतार-चढ़ाव रह सकता है। इसके अलावा बाजार भागीदारों की नजर संसद के मौजूदा मानसून सत्र पर भी रहेगी। उन्होंने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशक पिछले तीन माह से भारतीय बाजार में जमकर निवेश कर रहे हैं। विश्लेषकों का कहना है कि डॉलर के मुकाबले रुपए के उतार-चढ़ाव तथा ब्रेंट कच्चे तेल के दाम भी बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण होंगे। बाजार के एक अन्य विशेषज्ञ ने कहा कि निवेशकों की निगाह एफओएमसी (फेडरल ओपन मार्केट कमेटी) की बैठक पर रहेगी।

दुनिया के कई देशों से ज्यादा हैं वालमार्ट में कर्मचारी

नई दिल्ली । अमेरिका की दिग्गज रिटेल में 21 लाख कर्मचारी काम करते हैं। यह दुनिया के कई देशों की आबादी से भी ज्यादा है। वर्ल्ड ऑफ स्टेटिस्टिक्स की लिस्ट के मुताबिक, दुनिया में सबसे ज्यादा कर्मचारी वॉलमार्ट में काम करते हैं. यह संख्या चीनी सेना में काम करने वाले जवानों से भी ज्यादा है। चीन की सेना में 20 लाख जवान काम करते हैं। हाल ही में वर्ल्ड ऑफ स्टेटिस्टिक्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर दुनिया में सबसे ज्यादा कर्मचारियों वाली कंपनियों की एक लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में वॉलमार्ट, अमेजन, फॉक्सकॉन, एक्सेंचर, फॉक्सवैगन, टाटा कंसल्टेंसी, डॉयचे पोस्ट, बीवाईडी, फेडएक्स और यूनाइटेड पार्सल सर्विस शामिल हैं। सबसे ज्यादा कर्मचारियों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर अमेरिका की दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन का नाम है। इस कंपनी में 15,41,000 कर्मचारी काम करते हैं। वर्ल्ड ऑफ स्टेटिस्टिक्स के मुताबिक, ताइवान की कंपनी फॉक्सकॉन में 8,26,608, आयरलैंड की कंपनी एक्सेंचर में 7,32,000 और जर्मनी की ऑटो कंपनी फॉक्सवैगन में 6,76,915 कर्मचारी काम करते हैं। इस लिस्ट में भारत की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज छठे पायदान पर है। टीसीएस में पूरी दुनिया में 6,16,171 कर्मचारी काम करते हैं। भारत की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इंफोसिस में 3 लाख कर्मचारी काम करते हैं और यह इस लिस्ट में 54वें स्थान पर है।

(मार्केट कैप) सेंसेक्स की प्रमुख पांच कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 4.23 लाख करोड़ बढ़ा

- सबसे अधिक लाभ एचडीएफसी बैंक को हुआ

मुंबई ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से पांच कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 4,23,014.4 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ एचडीएफसी बैंक को हुआ। एचडीएफसी बैंक ने अपनी आवास वित्त मूल कंपनी एचडीएफसी का खुद में विलय पूरा किया है। एचडीएफसी बैंक गुरुवार को बाजार पूंजीकरण के लिहाज से दूसरी सबसे बड़ी कंपनी बन गया। उसने इस मामले में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को पीछे छोड़ा है। समीक्षाधीन सप्ताह में जहां एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और बजाज फाइनेंस के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई, वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इन्फोसिस और भारती एयरटेल की बाजार हैसियत घट गई। सप्ताह के दौरान एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 3,43,107.78 करोड़ रुपए बढ़कर 12,63,070.52 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एसबीआई का बाजार मूल्यांकन 27,220.07 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 5,48,819.01 करोड़ रुपए रहा। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 24,575.78 करोड़ रुपए बढ़कर 6,97,413.50 करोड़ रुपए हो गई। आईटीसी का मूल्यांकन 21,972.81 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 6,09,924.24 करोड़ रुपए रहा। बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 6,137.96 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 4,59,425.99 करोड़ रुपए पर पहुंच गई।

इस रुख के उलट रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 1,37,138.56 करोड़ रुपए घटकर 17,15,895.17 करोड़ रुपए पर आ गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपनी वित्तीय सेवा इकाई रिलायंस स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट्स लि. (आएसआईएल) को अलग करने की घोषणा की है। इस इकाई को जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लि. (जेएफएसएल) का नाम दिया गया है। समीक्षाधीन सप्ताह में टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 52,104.89 करोड़ रुपए घटकर 12,32,953.95 करोड़ रुपए रह गया।इन्फोसिस के मूल्यांकन में 39,406.08 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 5,52,141.59 करोड़ रुपए पर आ गया। इन्फोसिस का जून तिमाही का मुनाफा 11 प्रतिशत बढ़ा है, जो उम्मीद से कम है। ऐसे में शुक्रवार को इन्फोसिस का शेयर आठ प्रतिशत से अधिक टूट गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 17,163.77 करोड़ रुपए घटकर 6,11,786.57 करोड़ रुपए रह गई। भारती एयरटेल का मूल्यांकन 390.94 करोड़ रुपए के नुकसान से 4,94,726 करोड़ रुपए पर आ गया।

पेटीएम ने लगातार तीन तिमाहियों में कमाया मुनाफा!

नई दिल्ली

भारत की अग्रणी भुगतान और वित्तीय सेवा कंपनी पेटीएम ने एक और प्रभावशाली तिमाही वृद्धि दिखाई है। इसने साल-दर-साल 39 प्रतिशत की बंपर राजस्व वृद्धि दर्ज की है, जिससे वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही में इसका राजस्व 2,342 करोड़ रुपए हो गया है। यह जीएमवी में वृद्धि, मर्चेंट सब्सक्रिप्शन रेवेन्यू और प्लेटफ़ॉर्म पर पंजीकृत ऋणों की वृद्धि से हासिल हुआ है। ईएसओपी से पहले पेटीएम का ईबीआईटीडीए सालाना आधार पर 359 करोड़ रुपए से बढ़कर 84 करोड़ रुपए हो गया, जबकि वित्त वर्ष 23 की चौथी तिमाही में यह 52 करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 24 में, पेटीएम ने अपने योगदान लाभ को सालाना आधार पर 80 प्रतिशत बढ़ाकर 1,304 करोड़ रुपए कर दिया। योगदान मार्जिन में वृद्धि और मुनाफा में लगातार सुधार से प्रेरित, ईएसओपी मार्जिन से पहले ईबीआईटीडीए भी 4 प्रतिशत तक सुधर गया। पिछले एक साल में, कंपनी का मर्चेंट ग्राहक आधार जून 2023 तक दोगुना से अधिक 79 लाख हो गया और इसका मर्चेंट आधार 3.6 करोड़ तक बढ़ गया, जो कि पेटीएम साउंड बॉक्स और पेटीएम कार्ड मशीन जैसे इसके अग्रणी उपकरणों के लिए एक मजबूत वृद्धि है। शुद्ध भुगतान मार्जिन में वृद्धि और ऋण वितरण व्यवसाय में वृद्धि के साथ, कंपनी का योगदान मार्जिन इस तिमाही में बढ़कर 56 प्रतिशत हो गया, जो सालाना आधार पर 12 प्रतिशत की वृद्धि है। वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही के लिए इसकी भुगतान सेवाओं का राजस्व सालाना आधार पर 31 प्रतिशत बढ़कर 1,414 करोड़ रुपये हो गया। पेटीएम द्वारा दी जाने वाली वित्तीय सेवाओं से राजस्व में बंपर वृद्धि देखी गई, जो साल-दर-साल 93 प्रतिशत बढ़कर 522 करोड़ रुपए हो गई। कंपनी की आक्रामक व्यवसाय विकास रणनीति में ऋण वितरण के साथ, वितरित ऋण का मूल्य सालाना आधार पर 167 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 14,845 करोड़ रुपये रहा।पेटीएम द्वारा वितरित पोस्टपेड ऋणों की संख्या में सालाना आधार पर 49 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि पोस्टपेड ऋणों के मूल्य में सालाना आधार पर 138 प्रतिशत की वृद्धि हुई। पर्सनल लोन के तहत पेटीएम ने सालाना 128 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की, जो साल-दर-साल 202 प्रतिशत बढ़कर 4,062 करोड़ रुपये हो गया। पेटीएम प्लेटफॉर्म के जरिए लोन लेने वाले यूनिक बॉरोअर्स की कुल संख्या 49 लाख से बढ़कर 1.06 करोड़ हो गई। ग्राहक जुड़ाव में वृद्धि के साथ, भारत में उपभोक्ताओं के लिए मोबाइल भुगतान को अपनाना जारी रहने के कारण वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में इसके औसत मासिक लेनदेन यूजर्स (एमटीयू) 23 प्रतिशत बढ़कर 9.2 करोड़ हो गए।

कोविड से ज्यादा प्रभावित जिलों में परिवारों ने बचत के रूप में रखा सोनाः सर्वे

मुंबई । कोविड-19 महामारी से अधिक प्रभावित रहे जिलों में परिवारों ने अन्य स्थानों की तुलना में अपनी बचत का ज्यादा हिस्सा सोने में रखा है। भारतीय प्रबंध संस्थान-अहमदाबाद (आईआईएम-ए) के एक अध्ययन में यह तथ्य सामने आया है। आईआईएम-ए की 'महामारी के दौरान घरेलू पोर्टफोलियो में सोना- उभरती अर्थव्यवस्था के प्रमाण' शीर्ष वाली अध्यन रिपोर्ट में कहा गया है कि महामारी के दौरान कोविड से अधिक प्रभावित रहे जिलों में परिवारों ने अन्य वित्तीय संपत्तियों और नकदी के बजाय सोने में निवेश को प्राथमिकता दी। आईआईएम-अहमदाबाद का यह अध्ययन उसकी वेबसाइट पर 30 जून को डाला गया था। इस सर्वे में 21 राज्यों के 142 जिलों को शामिल किया गया है। अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार, भारत दुनिया में सोने (आभूषण के रूप में) का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है और एक औसत भारतीय परिवार अपनी कुल बचत का 11 प्रतिशत बहुमूल्य धातु में रखता है। अध्ययन में कहा गया है कि स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता में भौगोलिक असमानताओं को दूर करने से लोगों के बीच इस डर को कम किया जा सकता है। इससे सोने जैसी सुरक्षित संपत्तियों की ओर रुझान घट सकता है। इसके अलावा, वित्तीय साधनों और संस्थानों तक बेहतर पहुंच संकट के समय में सोने में जमा रखने की प्राथमिकता को कम कर सकती है। अध्ययन के अनुसार, कोविड प्रभावित जिलों में घरेलू बचत पोर्टफोलियो में सोने की हिस्सेदारी अन्य जिलों की तुलना में 6.9 प्रतिशत अंक देखी गई। वहीं वित्तीय परिसंपत्तियों में उनकी बचत 4.1 प्रतिशत अंक कम रही।

अडानी विल्मर ने एक कंपनी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई

- फॉर्च्यून ब्रांड से बिक रहे थे नकली प्रोडक्ट

मुंबई ।

गौतम अडानी की कंपनी अडानी विल्मर ने एक कंपनी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। कंपनी का आरोप है कि फॉर्च्यून ऑयल ब्रांड के नाम से नकली उत्पाद बेचे जा रहे हैं, जिसमें इस कंपनी का नाम सामने आया है। ऐसे में अडानी विले मर ने गौतमबुद्धनगर में पुलिस शिकायत दर्ज कराई है। अडानी विले मर फॉर्च्यून ब्रांड नाम से खाद्य तेल भारत के कई राज्यों में बेचती है। खाद्य तेल प्रमुख कंपनी ने नियमित बाजार सर्वेक्षण के दौरान इसका पता लगाया है।

अपने एक बयान में कंपनी ने कहा कि नकली उत्पाद बनाकर बेचने के लिए बी2बी प्लेटफॉर्म के खिलाफ एजेंसी के माध्यम से प्राथमिकी दर्ज की है। एफआईआर उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर जिले के बादलपुर पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई है। अडानी विले मर ने कहा कि जांच अधिकारियों ने बिजनेस टू बिजनेस प्लेटफॉर्म के गोदाम पर छापेमारी की, जिसमें अडानी विल्मर के फॉर्च्यून ऑयल के नाम नकली उत्पादों को जब्त किया गया। अधिकारियों की ओर से छापेमारी के दौरान बड़ी मात्रा में फॉर्च्यून ब्रांड के तेल मिले हैं। जब्त किए गए प्रोडक्ट में बिना ढक्कन वाली फॉर्च्यून कच्ची घानी सरसों तेल (1 लीटर पैक) 126 पेट बोतलें, 1 लीटर पाउच में 37 नकली फॉर्च्यून रिफाइंड सोयाबीन ऑयल और 1 लीटर पैक में फॉर्च्यून सरसो ऑयल की 16 पेट बोतलें शामिल हैं। अडानी विले मर के प्रवक्ता ने कहा कि बाजार में फैल रहे नकली उत्पादों ओर उपभोक्ताओं के हेल्थ को लेकर चिंतित हैं। इसलिए शिकायत दर्ज कराई गई है।

कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि नकली उत्पादों की गंभीरता से लेते हुए कंपनी नकली सामान के स्रोतों की तेजी से पहचान करने और ऐसे व्यापारियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए अधिकारियों के साथ सहयोग कर रहे हैं। बयान के अनुसार कंपनी ने रिपोर्ट किए गए उत्पाद की जांच शुरू की गई है। नकली ब्रांड की जांच में बैच कोड विवरण, नकली क्यूआर कोड और पैकेजिंग आदि चीजों को देखा जा रहा है।

विदेशी निवेशकों ने जुलाई में किया 43800 करोड़ का निवेश

मुंबई ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का भारतीय शेयर बाजारों के प्रति आकर्षण बना हुआ है। जुलाई में अब तक उन्होंने भारतीय शेयर बाजारों में 43,800 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया है। देश की मजबूत वृहद आर्थिक बुनियादी, कंपनियों के बेहतर नतीजों तथा चीन की अर्थव्यवस्था के समक्ष चुनौतियों के बीच एफपीआई भारतीय बाजार में निवेश बढ़ा रहे हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि इस साल अब तक शेयर बाजारों में एफपीआई का निवेश 1.2 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है।

बाजार विश्लेषकों का कहना है कि भारतीय बाजारों में एफपीआई का प्रवाह मजबूत और व्यापक बना हुआ है। चिंता की बात सिर्फ बढ़ता मूल्यांकन है। इससे बाजार में एक बड़ा करेक्शन आ सकता है। एफपीआई के सतत प्रवाह से भारतीय शेयर बाजार अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गए है। ऐसे में बीच-बीच में कुछ मुनाफावसूली की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई से लगातार भारतीय शेयर बाजारों में निवेश कर रहे हैं। उन्होंने इस महीने 21 जुलाई तक शेयरों में शुद्ध रूप से 43,804 करोड़ रुपए डाले हैं। यह लगातार तीसरा महीना है जबकि एफपीआई का शेयरों में निवेश का आंकड़ा 40,000 करोड़ रुपए को पार कर गया है।

एफपीआई ने मई में शेयरों में 43,838 करोड़ रुपए और जून में 47,148 करोड़ रुपए का निवेश किया था। समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने शेयरों के अलावा ऋण या बॉन्ड बाजार में भी 2,623 करोड़ रुपए डाले हैं।

इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी चार्जिंग पर 18 प्रतिशत जीएसटी

नई दिल्ली ।

कर्नाटक अथॉरिटी आफ एडवांस रूलिंग (एएआर) ने कहा है कि इलेक्ट्रिक वाहनों में इस्तेमाल होने वाली बैटरी चार्ज करने पर 18 प्रतिशत वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लगना चाहिए। चामुंडेश्वरी इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कॉर्पोरेशन लिमिटेड से जुड़े एक मामले की सुनवाई के बाद एएआर ने कहा कि कंपनी को इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) की अनुमति दी जानी चाहिए। न्यायालय के सामने यह मामला था कि क्या बैटरी चार्जिंग वस्तु की आपूर्ति है या सेवा की आपूर्ति। वस्तु की आपूर्ति के मामले में कोई जीएसटी नहीं लगता है और सेवा की आपूर्ति में 18 प्रतिशत जीएसटी का प्रावधान है। यह नियम उन लोगों के लिए नकारात्मक है, जो बैटरी चार्जिंग इकाई स्थापित करना चाहते हैं, अगर इसे न्यायालय के आदेश की नजीर के रूप में देखा जाए, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि कुछ कंपनियां इसे सकारात्मक ले सकती हैं, क्योंकि आईटीसी उपलब्ध है। अगर शून्य जीएसटी लगाया जाता है तो चार्जिंग स्टेशन बनाने और बिजली की आपूर्ति जैसे इनपुट पर भुगतान किए गए कर पर आईटीसी नहीं दिया जाएगा। चामुंडेश्वरी इलेक्ट्रिसिटी ने इलेक्ट्रिक दोपहिया एवं चार पहिया वाहनों के लिए सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की योजना बनाई। कंपनी ने कहा कि वह इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग शुल्क एकत्र करने के लिए इनवाइस जारी करेगी। इसमें दो घटक हैं, खपत हुई बिजली का शुल्क और चार्जिंग स्टेशन द्वारा उपलब्ध कराई गई सेवाएं। कंपनी ने जानना चाहा था कि क्या दोनों को सेवा की आपूर्ति के रूप में देखा जाएगा या बिजली शुल्क को वस्तुओं की आपूर्ति के रूप में।

ऑनलाइन 70 रुपए में मिलेगा एक किलो टमाटर

नई दिल्ली ।

अब आप घर बैठे सस्ता टमाटर ऑनलाइन खरीद सकते हैं। दरअसल, सरकारी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ओएनडीसी ने हाल ही में दिल्ली वासियों को सस्ता टमाटर दिलाने की पहल शुरू की है। आप ओएनडीसी पर महज 70 रुपए किलो की दर से टमाटर खरीद सकते हैं। बता दें कि केंद्र सरकार पिछले हफ्ते शुक्रवार 14 जुलाई से रियायती दरों पर देश भर में अलग-अलग जगहों पर मोबाइल वैन के जरिए टमाटर बेच रही है। सरकार की कृषि से जुड़ी मार्केटिंग एजेंसियां भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड और भारतीय राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ लिमिटेड इसे बेच रही हैं। ओएनडीसी प्लेटफॉर्म पर लोगों को रियायती भाव में टमाटर की बिक्री एनसीसीएफ के द्वारा की जा रही है।

एनसीसीएफ की तरफ से ओएनडीसी पर अगले 10-15 दिनों तक 70 रुपए किलो के भाव से टमाटर बेचे जाएंगे। एक उपभोक्ता ज्यादा से ज्यादा 2 किलो टमाटर ही ओएनडीसी से ऑर्डर कर सकता है। एनसीसीएफ और एनएएफईडी द्वारा खरीदे गए टमाटरों को शुरुआत में 90 रुपए प्रति किलो पर बेचा गया। इसके बाद 16 जुलाई, 2023 से इसकी कीमत घटाकर 80 रुपए प्रति किलो कर दी गई थी। 20 जुलाई से दाम में कटौती कर इसे 70 रुपए प्रति किलो पर बेचने का फैसला किया गया। मौजूदा समय में ओएनडीसी ई-कॉमर्स कंपनियों को चुनौती देता हुआ नजर आ रहा है। ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स यानी ओएनडीसी की शुरुआत सितंबर 2022 में हुई। ये एक सरकारी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म है। यह यूजर्स को फूड समेत अन्य जरूरत का सामान सस्ते दामों पर उनके घर तक मुहैया कराता है। फिलहाल ओएनडीसी का कोई ऐप नहीं है। ऐसे में आप पेटीएम, मे जिके पिन या पिनकोड जैसे ऐप पर जाकर ओएनडीसी सर्च कर सकते हैं।

मोहम्मद सिराज के 5 विकेट, विंडीज 255 रन पर सिमटी, भारत के पास 183 रन की लीड

मीरपुर (एजेंसी)। त्रिनिदाद में पोर्ट ऑफ स्पेन के मैदान पर भारतीय टीम ने टेस्ट मैच के चौथे दिन सुबह के ही सत्र में विंडीज टीम को 255 रन पर ऑलआऊट कर दिया। विंडीज टीम तीसरी दिन पांच विकेट गंवाकर 229 रन बनाने में सफल रही थी। चौथे दिन सुबह के सत्र में भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने कातिलाना गेंदबाजी की और पांच विकेट चटकाकर विंडीज को 255 रन पर ही रोक दिया। अब भारत के पास 183 रनों की लीड हो गई है।

इससे पहले तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय एलिक अथानाज़ (37) ने जेसन होल्डर (11) क्रीज पर थे। पिच से गेंदबाजों को खास मदद नहीं मिल रही थी लेकिन रविचंद्रन अश्विन, रविंद्र जडेजा और मोहम्मद सिराज ने इसके बावजूद सफलता हासिल की और मैच में भारत का पलड़ा भारी रखा। अश्विन ने खूबसूरत ऑफ ब्रेक पर वेस्टइंडीज के कप्तान क्रेग ब्रेथवेट का विकेट लिया जिन्होंने वेस्टइंडीज की तरफ से सर्वाधिक 75 रन बनाए। भारत की तरफ से रविंद्र जडेजा ने 36 रन देकर दो जबकि अश्विन, सिराज और मुकेश कुमार ने एक-एक विकेट लिया है। भारत अब खेल के चौथे दिन वेस्टइंडीज की पारी को जल्दी से समेटने का प्रयास करेगा जिससे कि मैच में उसकी पकड़ मजबूत बनी रहे।

सात्विक-चिराग की भारतीय जोड़ी ने कोरिया ओपन का खिताब जीता

येओसु (कोरिया) (एजेंसी)। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार जोड़ी ने रविवार को यहां पुरुष युगल फाइनल में फजर अल्फियान और मोहम्मद रियान आर्दियांतो की इंडोनेशियाई शीर्ष वरीय जोड़ी पर 17-21 21-13 21-14 की जीत से कोरिया ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट खिताब जीत लिया। भारतीय जोड़ी एक गेम से पिछड़ रही थी लेकिन उसने शानदार वापसी करते हुए एक और खिताब अपनी झोली में डाला। शनिवार को भारतीय जोड़ी ने चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग की दुनिया की दूसरे नंबर की जोड़ी पर सीधे गेम में रोमांचक जीत से फाइनल में प्रवेश किया था। सात्विक और चिराग ने इस साल इंडोनेशिया सुपर 1000 और स्विस ओपन सुपर 500 खिताब भी जीते हैं। सात्विक और चिराग ने जोड़ी बनाने के बाद कई खिताब अपने नाम किये हैं जिसमें राष्ट्रमंडल खेलों का स्वर्ण पदक, थॉमस कप का स्वर्ण पदक, विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य पदक के अलावा सुपर 300 (सैयद मोदी और स्विस ओपन), सुपर 500 (थाईलैंड और इंडिया ओपन), सुपर 750 (फ्रेंच ओपन) और इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 में जीत शामिल हैं। बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर छह स्तर में विभाजित होता है जिसमें विश्व टूर फाइनल्स, चार सुपर 1000 टूर्नामेंट, छह सुपर 750 टूर्नामेंट, सात सुपर 500 टूर्नामेंट और 11 सुपर 300 टूर्नामेंट शामिल होते हैं। टूर्नामेंट का एक अन्य वर्ग बीडब्ल्यूएफ टूर सुपर 100 स्तर है जिससे भी रैंकिंग अंक मिलते हैं।

आईसीसी ने हरमनप्रीत पर लगाया मैच फीस का 75 फीसदी जुर्माना

दुबई (एजेंसी)। (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को अंपायर के फैसले पर नाराजगी दिखाते हुए बल्ला विकेट पर मारना भारी पड़ा है। अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इस मामले को आचारसंहिता का उल्लंघन मानते हुए हरमनप्रीत पर मैच फीस का 75 फीसदी जुर्माना लगाया है। यहा मामला बांग्लादेश के मीरपुर में खेल गये तीसरे एकदिवसीय का है। कप्तान पर आरोप है कि मैदान पर दुर्व्यवहार करने के बाद भी उन्होंने अंपायरिंग को लेकर नाराजगी व्यक्त की थी।

एक रिपोर्ट में आईसीसी मैच अधिकारी ने कहा कि हरमनप्रीत को अनुचित व्यवहार के लिए दोषी पाया गया है। इसी कारण आईसीसी ने उनपर मैच फीस का 75 फीसदी जुर्माना लगाया है। इसमे 50 फीसदी जुर्माना मैदान पर उनके खराब व्यवहार और 25 फीसदी उनके बयान के लिए लगाया गया है। इसके अलावा हरमनप्रीत के खाते में तीन नकारात्मक अंक भी दर्ज किये गया हैं।

जब कोई खिलाड़ी लगातार आचार संहिता का उल्लंघन करता है तो ये अंक उसके खाते में दर्ज होते हैं। हरमनप्रीत के अनुचित व्यवहार को लेवल 2 की कैटेगरी में रखा गया है। अगर 24 महीने के अंदर किसी खिलाड़ी को 3 से 4 नकारात्मक अंक दिये जाते हैं तो उसे एक टेस्ट मैच या फिर 2 सीमित ओवरों के मैचों से बाहर कर दिया जा है। हरमनप्रीत के अभी तीन नकारात्मक अंक हैं।

भारत/पाक : विवादित तरीके से आउट हुए साईं सुदर्शन, अंपायर को बैन करने की उठी मांग

कोलंबो (एजेंसी)। इमर्जिंग एशिया कप 2023 के फाइनल मुकाबले में भारत ए को थर्ड अंपायर के फैसले के कारण निराश होना पड़ा। पाकिस्तान ए के खिलाफ मिले 353 रनों के जवाब में जब भारतीय टीम उतरी तो उन्होंने शानदार शुरूआत की। टीम लक्ष्य की ओर जा रही थी कि तभी थर्ड अंपायर के एक खराब फैसले के चलते ओपनर साईं सुदर्शन को विवादित तरीके से आउट होना पड़ा।

अंपायर को बैन करने की उठी मांग

दरअसल, हुआ ऐसा कि 9वें ओवर की तीसरी गेंद पर सुदर्शन कैच आउट हो गए, लेकिन जब भारत की ओर से रिव्यू लिया गया तो देखा गया कि तेज गेंदबाज अर्शद इकबाल का पैर क्रीज से बाहर है। लगा कि थर्ड अंपायर नो बॉल का सिग्नल देते हुए भारत के पक्ष में फैसला देंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अंपायर ने पाकिस्तान के हक में फैसला दिया, जिस कारण भारतीय टीम मैनजमेंट भी निराश होता नजर आया।

रिप्ले में लग रहा है कि पैर क्रीज से बाहर है। लेकिन रिव्यू के समय कैमरा बहुत नजदीक नहीं लाया गया था। जब तस्वीरें सामने आईं तो साफ दिखा कि पैर क्रीज से बाहर है। वहीं कमेंटेटर्स भी पहले ही यह कहते हुए दिखे कि सुदर्शन को जीवनदान मिल गया। हालांकि, अंत में फैसला भारत के पक्ष में नहीं गया जिस कारण सुदर्शन की पारी 28 गेंदों में 29 रनों पर सिमट गई।

सोशल मीडिया पर मचा बवाल

वहीं सोशल मीडिया पर थर्ड अंपायर के फैसले पर बवाल मच गया है। अंपायर को बैन करने की मांग उठी है। यह खिताबी मैच है, जिस कारण एक खराब फैसला टीम पर भारी पड़ सकता है।

पाकिस्तान ए ने भारत ए को 353 रनों का लक्ष्य दिया

कोलंबो । यहां खेले जा रहे इमर्जिंग एशिया कप 2023 क्रिकेट टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में पाकिस्तान ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट खोकर 352 रन बनाये। इस प्रकार भारतीय ए टीम को जीत के लिए 353 रनों का कठिन लक्ष्य मिला है। पाक ए टीम की ओर से तैय्यब ताहिर ने तेजी से शतक लगाया। ताहिर ने 71 गेंदों में 108 रन बनाये। अपनी इस पारी में ताहिर ने 12 चौके व 4 छक्के लगाये।

महिला विश्व कप : स्वीडन ने दक्षिण अफीका को 2-1 से हराया

वेलिंगटन : अमांडा इलेस्टेड के 89वें मिनट में किये गये गोल से स्वीडन ने रविवार को यहां महिला फुटबॉल विश्व कप के ग्रुप जी के शुरुआती मैच में दक्षिण अफ्रीका पर 2-1 से जीत हासिल की। इससे दक्षिण अफ्रीका की टूर्नामेंट में पहला बड़ा उलटफेर करने की उम्मीदों पर पानी फिर गया। दक्षिण अफ्रीका ने हिल्दाह मिगाला के 48वें मिनट में किये गये गोल से बढ़त बना ली थी जिससे स्वीडन की टीम दबाव में आ गयी थी। लेकिन स्वीडन ने 64वें मिनट में फाइडोलिना रोल्फो के गोल से 1-1 से बराबरी हासिल की। मैच खत्म होने में महज एक मिनट का समय बचा था कि अमांडा ने कॉर्नर पर हेडर से गोल कर स्वीडन को जीत दिलायी।

पोर्ट ऑफ स्पेन में भारतीय टीम को खल रही कुलदीप, अक्षर की कमी : चोपड़ा

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में टीम इंडिया को चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव की कमी खल रही है। इस मैच में भारतीय टीम के 438 रनों के जवाब में वेस्टइंडीज ने अपनी पहली पारी में 5 विकेट पर 229 रन बनाये हैं।

चोपड़ा ने भारतीय गेंदबाजों के प्रदर्शन की तारीफ की पर कहा कि यहां तीन तेज गेंदबाजों को रखना सही नहीं था। साथ ही कहा कि इस पिच पर अक्षर पटेल को अंतिम ग्यारह में रखना चाहिये था। इसके अलावा इस प्रकार की पिच पर कुलदीप को शामिल करना भी लाभप्रद रहता। चोपड़ा का मानना है कि कुलदीप जैसा कलाई का स्पिनर फिंगर स्पिनर की तुलना में खराब पिचों पर बेहतर भूमिका निभा सकता है। अक्षर को दोनों मैचों में नहीं रखा गया जबकि बांग्लादेश के खिलाफ अपने अंतिम टेस्ट में पांच विकेट लेने के बाद भी कुलदीप को सीरीज में शामिल नहीं करना समझ से परे है। चोपड़ा ने कहा, एक बात निश्चित रूप से यह है कि इस पिच पर तीन तेज गेंदबाजों की जरुरत नहीं थी। भारत को यहां अक्षर और कुलदीप जैसे स्पिनरों को रखना था। इसका कारण है कि इस प्रकार की धीमी पिच पर कलाई का स्पिनर उंगली के स्पिनर की तुलना में बेहतर काम कर सकता है। चोपड़ा ने विंडीज के बल्लेबाजों के रक्षात्मक रवैये पर निराशा व्यक्त की, जिसके परिणामस्वरूप खेल में प्रतिस्पर्धा की कमी हुई। उन्होंने टिप्पणी की कि केवल एक टीम जीतने के लिए उत्सुक दिख रही थी, जबकि दूसरी टीम परिणाम पर ध्यान दिए बिना केवल खेलने से संतुष्ट थी, जिसे उन्होंने एक समस्या माना। उन्होंने कहा, आप मुकाबला सुनिश्चित नहीं कर सकते। हमने त्रिनिदाद में देखा कि केवल एक टीम जीतने की कोशिश कर रही है, दूसरी टीम खेलने की कोशिश कर रही है, वे खेलना जारी रखेंगे और परिणाम खराब होगा। इसलिए यह निश्चित रूप से एक समस्या है।

वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने शॉट खेलने तक का प्रयास नहीं किया : म्हाम्ब्रे

पोर्ट ऑफ स्पेन (एजेंसी)। भारत के गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने दूसरे टेस्ट मैच के लिए उपयोग की जा रही पिच को बल्लेबाजी के लिए बेहद धीमी करार देते हुए शॉट खेलने का प्रयास तक नहीं करने के लिए वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों की आलोचना की। वेस्टइंडीज दो मैचों की सीरीज में अभी 0-1 से पीछे है। उसने दूसरे टेस्ट में भारत के 438 रन के जवाब में तीसरे दिन रन बनाने के लिए कोई विशेष प्रयास नहीं किए। कैरेबियाई टीम ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक पांच विकेट पर 229 रन बनाए थे और वह भारत से 209 रन पीछे है।

म्हाम्ब्रे ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा,'' पिच बेहद धीमी और बल्लेबाजी के लिए बहुत आसान है। दिन का खेल समाप्त होने तक यह थोड़ा टर्न लेने लग गई थी। वेस्टइंडीज ने बल्लेबाजी में बेहद रक्षात्मक रवैया अपनाया। जब बल्लेबाज शॉट खेलने का प्रयास करता है तो विकेट लेने का भी मौका होता है लेकिन उन्होंने ऐसी कोशिश ही नहीं की।' उन्होंने कहा,'' हमारे गेंदबाजों ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया। उन्हें जो भी मौके मिले उन्होंने उसका फायदा उठाया।'

मुंबई के इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा,'' पिच जीवंत होनी चाहिए। बल्लेबाजों और गेंदबाजों के लिए संतुलन होना चाहिए। डोमिनिका की पिच में टर्न था लेकिन हमने परिस्थितियों का बेहतर इस्तेमाल किया। इस पिच पर हालांकि 20 विकेट लेना मुश्किल होगा।' भारतीय गेंदबाजी कोच ने अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे हैं तेज गेंदबाज मुकेश कुमार के प्रदर्शन पर संतोष जताया जिन्होंने किर्क मैकेंजी के रूप में अपना पहला विकेट लिया। म्हाम्ब्रे ने कहा,'' पहले सत्र में पहली गेंद करने के बाद उसने जो प्रगति दिखाई उससे मैं काफी खुश हूं। दूसरे सत्र में उसने गेंद को कुछ मूव किया। यह वास्तव में अच्छा प्रयास था।'

पेड्रो काचिन ने स्विस ओपन खिताब जीता

गस्टाड (स्विट्जरलैंड) - अर्जेंटीना के पेड्रो काचिन ने रविवार को यहां फाइनल में एलबर्ट रामोस विनोलास को 3-6, 6-0, 7-5 से हराकर स्विस ओपन टेनिस टूर्नामेंट खिताब जीत लिया। 90वीं रैंकिंग पर काबिज इस खिलाड़ी के करियर का यह पहला खिताब है जिसकी बदौलत वह अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 54 की ओर पहुंच जाएंगे। गर्दन और टखने की चोट के कारण इस 28 साल के खिलाड़ी का करियर तेजी से आगे नहीं बढ़ सका, उन्होंने एक साल पहले पहली बार शीर्ष 100 में वापसी की थी। काचिन के नाम दूसरे टीयर के चैलेंजर टूर में छह करियर खिताब हैं। इस टूर्नामेंट से खेलने से पहले वह विम्बलडन के पहले दौर में नोवाक जोकोविच से हार गये थे।

पीसीबी को नहीं मिल रहा मुख्य चयनकर्ता, हफीज और लतीफ ने ठुकराया प्रस्ताव

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) आगामी एशिया कप के लिए अपनी टीम तक घोषित नहीं कर पा रहा। इसका कारण मुख्य चयनकर्ता का नहीं होना है। पीसीबी ने कई खिलाड़ियों को प्रस्ताव दिये पर कोई भी इस पद के लिए तैयार नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद हफीज और राशिद लतीफ ने पहले ही पीसीबी का प्रस्तान खारिज कर दिया था। अब पीसीबी ने पूर्व क्रिकेटर मोईन खान को ये प्रस्ताव दिया है। हारून रशीद के पद छोड़ने के बाद से ही पीसीबी के पास मुख्य चयनकर्ता नहीं है। बीच में शाहिद अफरीदी ने अस्थायी रूप से यह पद संभाला था।

हफीज अभी जिमअफ्रो टी10 लीग में खेल रहे हैं। बताया जा रहा है कि उन्होंने मुख्य चयनकर्ता बनने से इंकार कर दिया है। पाक क्रिकेट) के अनुसार हफीज युवा प्रतिभाओं को निखारना चाहते हैं इसलिए जमीनी स्तर से जुड़े रहना चाहते हैं। वहीं राशिद ने पीसीबी के प्रस्ताव को यह कहते हुए ठुकरा दिया कि उनका पहले से ही एक अनुबंध है, इसलिए वह पीसीबी में कोई भूमिका नहीं लेना चाहते। वहीं मोइन अगर तैयार भी होते हैं तो उन्हें बनाना आसान नहीं रहेगा क्योंकि मोईन के बेटे आजम खान अभी क्रिकेट में सक्रिय हैं। ऐसे में हितों के टकराव का मामला उठेगा। एशिया कप 30 अगस्त से और विश्व कप 5 अक्टूबर से शुरू हो रहा है। ऐसे में पीसीबी एक शीर्ष खिलाड़ी को इस पद के लिए खोज रहा है।

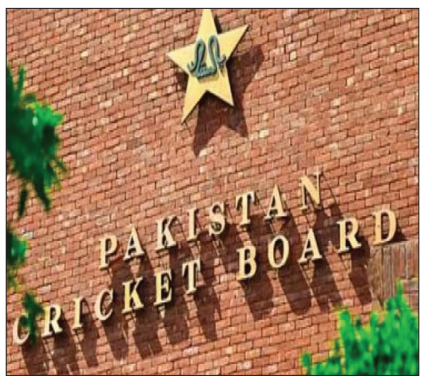

सुमित नागल बनें टाम्पेरे ओपन के चैम्पियन, सिवरसिना को सीधे सेटों में हराया

टाम्पेरे (फिनलैंड) - भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने यहां चेक गणराज्य के डेलिबोर सिवरसिना को सीधे सेटों में हराकर टाम्पेरे ओपन का खिताब जीत लिया। नागल ने सिवरसिना को 6-4, 7-5 से पराजित किया। यह नागल का पांच मुकाबलों में चौथा एटीपी चैलेंजर खिताब है। यह उनका साल का दूसरा खिताब है। वह इससे पहले अप्रैल में रोम में गार्डन ओपन चैम्पियन बने थे। मैच में नागल की शुरुआत खराब रही। उन्होंने अपना पहली सर्विस गंवा दी और वह 0-3 और 1-4 से पिछड़ रहे थे। उन्होंने हालांकि इसके बाद शानदार वापसी की और चेक गणराज्य के खिलाड़ी की सर्विस को तीन बार तोडा। बेसलाइन से दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए सातवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने पहला सेट 6-4 से जीत लिया। नागल इस लय को दूसरे सेट के शुरुआत में बरकरार रखने में सफल रहे। उन्होंने सिवरसिना की सर्विस को तोड़कर 4-1 की बढ़त हासिल कर ली। पांचवीं वरीयता प्राप्त सिवरसिना ने इसके बाद वापसी की और स्कोर 3-5 और फिर 5-5 किया। नागल ने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए सिवरसिना की सर्विस तोड 6-5 की बढ़त बनायी और और फिर आखिरी सेट को जीत कर एक घंटे 44 मिनट तक चले मुकाबले को अपने नाम किया।

वसीम जाफर बोले- विश्व कप में उसकी भूमिका अहम होगी, हम उनको याद कर रहे हैं

स्पोर्ट्स डैस्क (एजेंसी)। भारत के पूर्व बल्लेबाज वसीम जाफर ने कहा कि 2023 क्रिकेट विश्व कप में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की अहम भूमिका होगी। यह इवेंट भारत में अक्टूबर-नवंबर के दौरान आयोजित होने वाला है। पीठ की सर्जरी के बाद सितंबर 2022 से बुमराह को बाहर कर दिया गया है। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) के हालिया अपडेट के अनुसार, 29 वर्षीय तेज गेंदबाज

बुमराह अपने पुनर्वास के अंतिम चरण में है और उसने नेट्स में अपनी गेंदबाजी फिर से शुरू कर दी है।

JioCinema पर एक चर्चा के दौरान जाफर से सवाल किया गया कि क्या हर प्रशंसक को बुमराह की वापसी का सबसे ज्यादा इंतजार होगा। जिस पर उन्होंने जवाब दिया कि वह भारत के गेंदबाजी आक्रमण का एक बड़ा हिस्सा है और हर कोई डेथ ओवरों में उनकी गेंदबाजी को याद कर रहा है। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा कि अगर वह वापसी पर उसी गति से गेंदबाजी करेंगे तो उनसे बेहतर कोई नहीं होगा।

जाफर ने कहा, 'वह गेंदबाजी आक्रमण का एक बड़ा हिस्सा हैं। मुझे लगता है कि विश्व कप में उनकी बेहद महत्वपूर्ण भूमिका होगी। हम उन्हें डेथ बॉलिंग में याद कर रहे हैं। हमने उन्हें इस पूरे साल मिस किया है। हालांकि, उन्हें फिटनेस में वापस आने की जरूरत है, और इस बात पर सवालिया निशान रहेगा कि क्या वह उसी तरह, उसी गति से गेंदबाजी कर पाएंगे। अगर ऐसा होता है, तो इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता है।'

इशांत ने भी दी राय

भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज इशांत शर्मा ने भी आगामी विश्व कप में भारत के लिए जसप्रीत बुमराह के महत्व के बारे में बात की। बुमराह ने कहा कि यह तेज गेंदबाज सभी प्रारूपों में भारत के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है और उसे अपनी फिटनेस फिर से हासिल करने की जरूरत है।

इशांत ने कहा, 'वह एक नहीं, बल्कि सभी प्रारूपों के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। हालांकि, विश्व कप को ध्यान में रखते हुए, वह एक बहुत ही महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भारत को कई मैच जिताए हैं। वह एक वरिष्ठ खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने एक टेस्ट मैच में टीम की कप्तानी भी की थी। इसलिए मेरे अनुसार, विश्व कप में जसप्रीत बुमराह टीम के लीडर बने रहेंगे। इसलिए उनका फिट होना बेहद जरूरी है।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अडानी विल्मर ने एक कंपनी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई

- फॉर्च्यून ब्रांड से बिक रहे थे नकली प्रोडक्ट

मुंबई ।

गौतम अडानी की कंपनी अडानी विल्मर ने एक कंपनी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। कंपनी का आरोप है कि फॉर्च्यून ऑयल ब्रांड के नाम से नकली उत्पाद बेचे जा रहे हैं, जिसमें इस कंपनी का नाम सामने आया है। ऐसे में अडानी विल्मर ने गौतमबुद्धनगर में पुलिस शिकायत दर्ज कराई है। अडानी विल्मर फॉर्च्यून ब्रांड नाम से खाद्य तेल भारत के कई राज्यों में बेचती है। खाद्य तेल प्रमुख कंपनी ने नियमित बाजार सर्वेक्षण के दौरान इसका पता लगाया है।

अपने एक बयान में कंपनी ने कहा कि नकली उत्पाद बनाकर बेचने के लिए बी2बी प्लेटफॉर्म के खिलाफ एजेंसी के माध्यम से प्राथमिकी दर्ज की है। एफआईआर उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर जिले के बादलपुर पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई है। अडानी विल्मर ने कहा कि जांच अधिकारियों ने बिजनेस टू बिजनेस प्लेटफॉर्म के गोदाम पर छापेमारी की, जिसमें अडानी विल्मर के फॉर्च्यून ऑयल के नाम नकली उत्पादों को जब्त किया गया। अधिकारियों की ओर से छापेमारी के दौरान बड़ी मात्रा में फॉर्च्यून ब्रांड के तेल मिले हैं। जब्त किए गए प्रोडक्ट में बिना ढक्कन वाली फॉर्च्यून कच्ची घानी सरसों तेल (1 लीटर पैक) 126 पेट बोतलें, 1 लीटर पाउच में 37 नकली फॉर्च्यून रिफाइंड सोयाबीन ऑयल और 1 लीटर पैक में फॉर्च्यून सरसो ऑयल की 16 पेट बोतलें शामिल हैं। अडानी विल्मर के प्रवक्ता ने कहा कि बाजार में फैल रहे नकली उत्पादों ओर उपभोक्ताओं के हेल्थ को लेकर चिंतित हैं। इसलिए शिकायत दर्ज कराई गई है।

कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि नकली उत्पादों की गंभीरता से लेते हुए कंपनी नकली सामान के स्रोतों की तेजी से पहचान करने और ऐसे व्यापारियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए अधिकारियों के साथ सहयोग कर रहे हैं। बयान के अनुसार कंपनी ने रिपोर्ट किए गए उत्पाद की जांच शुरू की गई है। नकली ब्रांड की जांच में बैच कोड विवरण, नकली क्यूआर कोड और पैकेजिंग आदि चीजों को देखा जा रहा है।

विदेशी निवेशकों ने जुलाई में किया 43800 करोड़ का निवेश

मुंबई ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का भारतीय शेयर बाजारों के प्रति आकर्षण बना हुआ है। जुलाई में अब तक उन्होंने भारतीय शेयर बाजारों में 43,800 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया है। देश की मजबूत वृहद आर्थिक बुनियादी, कंपनियों के बेहतर नतीजों तथा चीन की अर्थव्यवस्था के समक्ष चुनौतियों के बीच एफपीआई भारतीय बाजार में निवेश बढ़ा रहे हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि इस साल अब तक शेयर बाजारों में एफपीआई का निवेश 1.2 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है।

बाजार विश्लेषकों का कहना है कि भारतीय बाजारों में एफपीआई का प्रवाह मजबूत और व्यापक बना हुआ है। चिंता की बात सिर्फ बढ़ता मूल्यांकन है। इससे बाजार में एक बड़ा करेक्शन आ सकता है। एफपीआई के सतत प्रवाह से भारतीय शेयर बाजार अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गए है। ऐसे में बीच-बीच में कुछ मुनाफावसूली की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई से लगातार भारतीय शेयर बाजारों में निवेश कर रहे हैं। उन्होंने इस महीने 21 जुलाई तक शेयरों में शुद्ध रूप से 43,804 करोड़ रुपए डाले हैं। यह लगातार तीसरा महीना है जबकि एफपीआई का शेयरों में निवेश का आंकड़ा 40,000 करोड़ रुपए को पार कर गया है।

एफपीआई ने मई में शेयरों में 43,838 करोड़ रुपए और जून में 47,148 करोड़ रुपए का निवेश किया था। समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने शेयरों के अलावा ऋण या बॉन्ड बाजार में भी 2,623 करोड़ रुपए डाले हैं।

ऑनलाइन 70 रुपए में मिलेगा एक किलो टमाटर

नई दिल्ली ।

अब आप घर बैठे सस्ता टमाटर ऑनलाइन खरीद सकते हैं। दरअसल, सरकारी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ओएनडीसी ने हाल ही में दिल्ली वासियों को सस्ता टमाटर दिलाने की पहल शुरू की है। आप ओएनडीसी पर महज 70 रुपए किलो की दर से टमाटर खरीद सकते हैं। बता दें कि केंद्र सरकार पिछले हफ्ते शुक्रवार 14 जुलाई से रियायती दरों पर देश भर में अलग-अलग जगहों पर मोबाइल वैन के जरिए टमाटर बेच रही है। सरकार की कृषि से जुड़ी मार्केटिंग एजेंसियां भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड और भारतीय राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ लिमिटेड इसे बेच रही हैं। ओएनडीसी प्लेटफॉर्म पर लोगों को रियायती भाव में टमाटर की बिक्री एनसीसीएफ के द्वारा की जा रही है।

एनसीसीएफ की तरफ से ओएनडीसी पर अगले 10-15 दिनों तक 70 रुपए किलो के भाव से टमाटर बेचे जाएंगे। एक उपभोक्ता ज्यादा से ज्यादा 2 किलो टमाटर ही ओएनडीसी से ऑर्डर कर सकता है। एनसीसीएफ और एनएएफईडी द्वारा खरीदे गए टमाटरों को शुरुआत में 90 रुपए प्रति किलो पर बेचा गया। इसके बाद 16 जुलाई, 2023 से इसकी कीमत घटाकर 80 रुपए प्रति किलो कर दी गई थी। 20 जुलाई से दाम में कटौती कर इसे 70 रुपए प्रति किलो पर बेचने का फैसला किया गया। मौजूदा समय में ओएनडीसी ई-कॉमर्स कंपनियों को चुनौती देता हुआ नजर आ रहा है। ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स यानी ओएनडीसी की शुरुआत सितंबर 2022 में हुई। ये एक सरकारी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म है। यह यूजर्स को फूड समेत अन्य जरूरत का सामान सस्ते दामों पर उनके घर तक मुहैया कराता है। फिलहाल ओएनडीसी का कोई ऐप नहीं है। ऐसे में आप पेटीएम, मे जिके पिन या पिनकोड जैसे ऐप पर जाकर ओएनडीसी सर्च कर सकते हैं।

इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी चार्जिंग पर 18 प्रतिशत जीएसटी

नई दिल्ली ।

कर्नाटक अथॉरिटी आफ एडवांस रूलिंग (एएआर) ने कहा है कि इलेक्ट्रिक वाहनों में इस्तेमाल होने वाली बैटरी चार्ज करने पर 18 प्रतिशत वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लगना चाहिए। चामुंडेश्वरी इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कॉर्पोरेशन लिमिटेड से जुड़े एक मामले की सुनवाई के बाद एएआर ने कहा कि कंपनी को इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) की अनुमति दी जानी चाहिए। न्यायालय के सामने यह मामला था कि क्या बैटरी चार्जिंग वस्तु की आपूर्ति है या सेवा की आपूर्ति। वस्तु की आपूर्ति के मामले में कोई जीएसटी नहीं लगता है और सेवा की आपूर्ति में 18 प्रतिशत जीएसटी का प्रावधान है। यह नियम उन लोगों के लिए नकारात्मक है, जो बैटरी चार्जिंग इकाई स्थापित करना चाहते हैं, अगर इसे न्यायालय के आदेश की नजीर के रूप में देखा जाए, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि कुछ कंपनियां इसे सकारात्मक ले सकती हैं, क्योंकि आईटीसी उपलब्ध है। अगर शून्य जीएसटी लगाया जाता है तो चार्जिंग स्टेशन बनाने और बिजली की आपूर्ति जैसे इनपुट पर भुगतान किए गए कर पर आईटीसी नहीं दिया जाएगा। चामुंडेश्वरी इलेक्ट्रिसिटी ने इलेक्ट्रिक दोपहिया एवं चार पहिया वाहनों के लिए सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की योजना बनाई। कंपनी ने कहा कि वह इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग शुल्क एकत्र करने के लिए इनवाइस जारी करेगी। इसमें दो घटक हैं, खपत हुई बिजली का शुल्क और चार्जिंग स्टेशन द्वारा उपलब्ध कराई गई सेवाएं। कंपनी ने जानना चाहा था कि क्या दोनों को सेवा की आपूर्ति के रूप में देखा जाएगा या बिजली शुल्क को वस्तुओं की आपूर्ति के रूप में।

फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर फैसले से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

डॉलर के मुकाबले रुपए के उतार-चढ़ाव तथा कच्चे तेल के दाम भी बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण होंगे

मुंबई । इस सप्ताह ब्याज दर पर अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के फैसले तथा भारतीय कंपनियों के जून तिमाही के नतीजों से शेयर बाजारों की दिशा तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों का कहना है कि मासिक डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान की वजह से सप्ताह के दौरान बाजार में कुछ उतार-चढ़ाव रह सकता है। इसके अलावा वैश्विक बाजारों के रुझान और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेंगी। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के एक शोध प्रमुख ने कहा कि 26 जुलाई को अमेरिकी केंद्रीय बैंक ब्याज दर पर अपने निर्णय की घोषणा करेगा। संभावना जताई जा रही है कि फेडरल रिजर्व ब्याज दर में चौथाई प्रतिशत की और वृद्धि कर सकता है। इस घोषणा के दौरान बाजार भागीदारों की निगाह फेडरल रिजर्व की टिप्पणी पर भी रहेगी। इसके अलावा 28 जुलाई को बैंक ऑफ जापान भी अपने नीतिगत फैसले की घोषणा करेगा। सप्ताह के दौरान टाटा स्टील, एशियन पेंट्स, एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस, बीपीसीएल और टेक महिंद्रा जैसी कंपनियां अपने जून तिमाही के नतीजों की घोषणा करेंगी। देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने हाल ही में अपने तिमाही नतीजों की घोषणा कर दी थी। कंपनी का तिमाही लाभ 11 प्रतिशत घटा है। ऐसे में सोमवार को सभी की निगाह रिलायंस के शेयर पर रहेगी। जुलाई के लिए वायदा एवं विकल्प खंड में गुरुवार को निपटान की वजह से भी बाजार में उतार-चढ़ाव रह सकता है। इसके अलावा बाजार भागीदारों की नजर संसद के मौजूदा मानसून सत्र पर भी रहेगी। उन्होंने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशक पिछले तीन माह से भारतीय बाजार में जमकर निवेश कर रहे हैं। विश्लेषकों का कहना है कि डॉलर के मुकाबले रुपए के उतार-चढ़ाव तथा ब्रेंट कच्चे तेल के दाम भी बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण होंगे। बाजार के एक अन्य विशेषज्ञ ने कहा कि निवेशकों की निगाह एफओएमसी (फेडरल ओपन मार्केट कमेटी) की बैठक पर रहेगी।

इलेक्ट्रिक स्कूटर ओला एस1 एयर होगी लॉन्च

-5 लाख किमी से ज्यादा चलाकर किया टेस्ट

नईदिल्ली । चालू महीने ही ओला इलेक्ट्रिक अपने अपकमिंग इलेक्ट्रिक स्कूटर ओएलए एस1 एयर को लॉन्च करेगी। यह स्कूटर बेल्ट ड्राइव के बजाय हब मोटर के साथ आएगा। इसे 2.7 किलोवॉट मोटर के साथ पेश किया गया था, जिसे अब 4.5किलोवॉट यूनिट में अपग्रेड कर दिया है। हाल ही में इस इलेक्ट्रिक स्कूटर को 5 लाख किलोमीटर से ज्यादा चलाकर टेस्ट किया गया है।ओला एस1 एयर में एलईडी डीआरएलएस, हेडलैंप, फ्रंट एप्रन, बॉडी पैनल और रियर टेललाइट पहले जैसे ही हैं। वहीं यह इलेक्ट्रिक स्कूटर 3किमी/घंटा बैटरी पैक के साथ आएगा, जो सिंगल चार्ज में 125 किलोमीटर की रेंज देगा और 85 किमी/घंटा की टॉप स्पीड से दौड़ने में सक्षम होगा। इसमें 3 राइडिंग मोड- इको, नॉर्मल और स्पोर्ट्स मिलेंगे। यह 5 डुअल-टोन पेंट थीम के साथ उपलब्ध होगा। ओला इलेक्ट्रिक के सीईओ भाविश अग्रवाल ने ट्विटर पर टेस्टिंग का वीडियो भी शेयर किया है। इसके साथ उन्होंने लिखा- ओला एस1 एयर को 500,000 किमी से ज्यादा चलाकर टेस्ट किया गया। आप इसके साथ जाइए।

गोल्ड ईटीएफ में निवेशकों ने जून तिमाही में किया 298 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली । गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड कोषों (गोल्ड-ईटीएफ) में अप्रैल-जून की तिमाही में 298 करोड़ रुपए का निवेश आया है। इससे पिछली लगातार तीन तिमाहियों के दौरान गोल्ड ईटीएफ से निकासी देखने को मिली थी। विशेषज्ञों का मानना है कि निवेशक अपनी संपत्ति का कुछ हिस्सा सुरक्षित निवेश उत्पाद में निवेश करना जारी रखेंगे। हालांकि, यदि एक साल पहले की समान अवधि से तुलना की जाए, तो गोल्ड ईटीएफ में निवेश 80 प्रतिशत घट गया है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों से पता चलता है कि समीक्षाधीन तिमाही में गोल्ड ईटीएफ का परिसंपत्ति आधार और निवेशक खातों या फोलियो की संख्या में वृद्धि हुई है। आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल-जून तिमाही में गोल्ड-ईटीएफ में 298 करोड़ रुपए का निवेश आया है। इससे पहले मार्च तिमाही में गोल्ड ईटीएफ से 1,243 करोड़ रुपए, दिसंबर तिमाही में 320 करोड़ रुपए और सितंबर तिमाही में 165 करोड़ रुपए की निकासी देखने को मिली थी। वहीं जून, 2022 को समाप्त तिमाही में गोल्ड ईटीएफ में 1,438 करोड़ रुपए निवेश आया था। पिछली कुछ तिमाहियों में गोल्ड ईटीएफ से निकासी की वजह दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ को समाप्त करना और स्थानीय शेयर बाजारों की तुलना में सोने का प्रदर्शन कमजोर रहना है। इसके अलावा सोने की कीमतें ऊंचे स्तर पर कारोबार कर रही हैं, जो निवेशकों को किनारे पर रहने और निवेश के प्रति अधिक संतुलित दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

दुनिया के कई देशों से ज्यादा हैं वालमार्ट में कर्मचारी

नई दिल्ली । अमेरिका की दिग्गज रिटेल में 21 लाख कर्मचारी काम करते हैं। यह दुनिया के कई देशों की आबादी से भी ज्यादा है। वर्ल्ड ऑफ स्टेटिस्टिक्स की लिस्ट के मुताबिक, दुनिया में सबसे ज्यादा कर्मचारी वॉलमार्ट में काम करते हैं. यह संख्या चीनी सेना में काम करने वाले जवानों से भी ज्यादा है। चीन की सेना में 20 लाख जवान काम करते हैं। हाल ही में वर्ल्ड ऑफ स्टेटिस्टिक्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर दुनिया में सबसे ज्यादा कर्मचारियों वाली कंपनियों की एक लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में वॉलमार्ट, अमेजन, फॉक्सकॉन, एक्सेंचर, फॉक्सवैगन, टाटा कंसल्टेंसी, डॉयचे पोस्ट, बीवाईडी, फेडएक्स और यूनाइटेड पार्सल सर्विस शामिल हैं। सबसे ज्यादा कर्मचारियों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर अमेरिका की दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन का नाम है। इस कंपनी में 15,41,000 कर्मचारी काम करते हैं। वर्ल्ड ऑफ स्टेटिस्टिक्स के मुताबिक, ताइवान की कंपनी फॉक्सकॉन में 8,26,608, आयरलैंड की कंपनी एक्सेंचर में 7,32,000 और जर्मनी की ऑटो कंपनी फॉक्सवैगन में 6,76,915 कर्मचारी काम करते हैं। इस लिस्ट में भारत की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज छठे पायदान पर है। टीसीएस में पूरी दुनिया में 6,16,171 कर्मचारी काम करते हैं। भारत की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इंफोसिस में 3 लाख कर्मचारी काम करते हैं और यह इस लिस्ट में 54वें स्थान पर है।

(मार्केट कैप) सेंसेक्स की प्रमुख पांच कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 4.23 लाख करोड़ बढ़ा

- सबसे अधिक लाभ एचडीएफसी बैंक को हुआ

मुंबई ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से पांच कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 4,23,014.4 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ एचडीएफसी बैंक को हुआ। एचडीएफसी बैंक ने अपनी आवास वित्त मूल कंपनी एचडीएफसी का खुद में विलय पूरा किया है। एचडीएफसी बैंक गुरुवार को बाजार पूंजीकरण के लिहाज से दूसरी सबसे बड़ी कंपनी बन गया। उसने इस मामले में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को पीछे छोड़ा है। समीक्षाधीन सप्ताह में जहां एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और बजाज फाइनेंस के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई, वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इन्फोसिस और भारती एयरटेल की बाजार हैसियत घट गई। सप्ताह के दौरान एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 3,43,107.78 करोड़ रुपए बढ़कर 12,63,070.52 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एसबीआई का बाजार मूल्यांकन 27,220.07 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 5,48,819.01 करोड़ रुपए रहा। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 24,575.78 करोड़ रुपए बढ़कर 6,97,413.50 करोड़ रुपए हो गई। आईटीसी का मूल्यांकन 21,972.81 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 6,09,924.24 करोड़ रुपए रहा। बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 6,137.96 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 4,59,425.99 करोड़ रुपए पर पहुंच गई।

इस रुख के उलट रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 1,37,138.56 करोड़ रुपए घटकर 17,15,895.17 करोड़ रुपए पर आ गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपनी वित्तीय सेवा इकाई रिलायंस स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट्स लि. (आएसआईएल) को अलग करने की घोषणा की है। इस इकाई को जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लि. (जेएफएसएल) का नाम दिया गया है। समीक्षाधीन सप्ताह में टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 52,104.89 करोड़ रुपए घटकर 12,32,953.95 करोड़ रुपए रह गया।इन्फोसिस के मूल्यांकन में 39,406.08 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 5,52,141.59 करोड़ रुपए पर आ गया। इन्फोसिस का जून तिमाही का मुनाफा 11 प्रतिशत बढ़ा है, जो उम्मीद से कम है। ऐसे में शुक्रवार को इन्फोसिस का शेयर आठ प्रतिशत से अधिक टूट गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 17,163.77 करोड़ रुपए घटकर 6,11,786.57 करोड़ रुपए रह गई। भारती एयरटेल का मूल्यांकन 390.94 करोड़ रुपए के नुकसान से 4,94,726 करोड़ रुपए पर आ गया।

आरबीएल बैंक का मुनाफा 43 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली । निजी क्षेत्र के आरबीएल बैंक ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 288 करोड़ रुपए का लाभ कमाया है जो पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही के 201 करोड़ रुपए लाभ की तुलना में 43 प्रतिशत अधिक है। बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी आर सुब्रमणियाकुमार ने निदेशक मंडल की बैठक के बाद जारी बयान में वित्तीय लेखाजोखा पेश करते हुए कहा कि जून में समाप्त इस तिमाही में बैंक की शुद्ध ब्याज आय 1246 करोड़ रुपए रही है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 1028 करोड़ रुपए की तुलना में 21 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि गैर निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) में उल्लेखनीय सुधार हुआ है क्योंकि जून 22 में समाप्त तिमाही में सकल एनपीए 4.08 प्रतिशत था जो इस वर्ष जून की तिमाही में घटकर 3.22 प्रतिशत पर आ गया। इसी तरह से शुद्ध एनपीए भी 1.16 प्रतिशत की तुलना में गिरकर जून 23 की तिमाही में 1.00 प्रतिशत पर आ गया।

पेटीएम ने लगातार तीन तिमाहियों में कमाया मुनाफा!

नई दिल्ली

भारत की अग्रणी भुगतान और वित्तीय सेवा कंपनी पेटीएम ने एक और प्रभावशाली तिमाही वृद्धि दिखाई है। इसने साल-दर-साल 39 प्रतिशत की बंपर राजस्व वृद्धि दर्ज की है, जिससे वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही में इसका राजस्व 2,342 करोड़ रुपए हो गया है। यह जीएमवी में वृद्धि, मर्चेंट सब्सक्रिप्शन रेवेन्यू और प्लेटफ़ॉर्म पर पंजीकृत ऋणों की वृद्धि से हासिल हुआ है। ईएसओपी से पहले पेटीएम का ईबीआईटीडीए सालाना आधार पर 359 करोड़ रुपए से बढ़कर 84 करोड़ रुपए हो गया, जबकि वित्त वर्ष 23 की चौथी तिमाही में यह 52 करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 24 में, पेटीएम ने अपने योगदान लाभ को सालाना आधार पर 80 प्रतिशत बढ़ाकर 1,304 करोड़ रुपए कर दिया। योगदान मार्जिन में वृद्धि और मुनाफा में लगातार सुधार से प्रेरित, ईएसओपी मार्जिन से पहले ईबीआईटीडीए भी 4 प्रतिशत तक सुधर गया। पिछले एक साल में, कंपनी का मर्चेंट ग्राहक आधार जून 2023 तक दोगुना से अधिक 79 लाख हो गया और इसका मर्चेंट आधार 3.6 करोड़ तक बढ़ गया, जो कि पेटीएम साउंड बॉक्स और पेटीएम कार्ड मशीन जैसे इसके अग्रणी उपकरणों के लिए एक मजबूत वृद्धि है। शुद्ध भुगतान मार्जिन में वृद्धि और ऋण वितरण व्यवसाय में वृद्धि के साथ, कंपनी का योगदान मार्जिन इस तिमाही में बढ़कर 56 प्रतिशत हो गया, जो सालाना आधार पर 12 प्रतिशत की वृद्धि है। वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही के लिए इसकी भुगतान सेवाओं का राजस्व सालाना आधार पर 31 प्रतिशत बढ़कर 1,414 करोड़ रुपये हो गया। पेटीएम द्वारा दी जाने वाली वित्तीय सेवाओं से राजस्व में बंपर वृद्धि देखी गई, जो साल-दर-साल 93 प्रतिशत बढ़कर 522 करोड़ रुपए हो गई। कंपनी की आक्रामक व्यवसाय विकास रणनीति में ऋण वितरण के साथ, वितरित ऋण का मूल्य सालाना आधार पर 167 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 14,845 करोड़ रुपये रहा।पेटीएम द्वारा वितरित पोस्टपेड ऋणों की संख्या में सालाना आधार पर 49 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि पोस्टपेड ऋणों के मूल्य में सालाना आधार पर 138 प्रतिशत की वृद्धि हुई। पर्सनल लोन के तहत पेटीएम ने सालाना 128 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की, जो साल-दर-साल 202 प्रतिशत बढ़कर 4,062 करोड़ रुपये हो गया। पेटीएम प्लेटफॉर्म के जरिए लोन लेने वाले यूनिक बॉरोअर्स की कुल संख्या 49 लाख से बढ़कर 1.06 करोड़ हो गई। ग्राहक जुड़ाव में वृद्धि के साथ, भारत में उपभोक्ताओं के लिए मोबाइल भुगतान को अपनाना जारी रहने के कारण वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में इसके औसत मासिक लेनदेन यूजर्स (एमटीयू) 23 प्रतिशत बढ़कर 9.2 करोड़ हो गए।

कोविड से ज्यादा प्रभावित जिलों में परिवारों ने बचत के रूप में रखा सोनाः सर्वे

मुंबई । कोविड-19 महामारी से अधिक प्रभावित रहे जिलों में परिवारों ने अन्य स्थानों की तुलना में अपनी बचत का ज्यादा हिस्सा सोने में रखा है। भारतीय प्रबंध संस्थान-अहमदाबाद (आईआईएम-ए) के एक अध्ययन में यह तथ्य सामने आया है। आईआईएम-ए की 'महामारी के दौरान घरेलू पोर्टफोलियो में सोना- उभरती अर्थव्यवस्था के प्रमाण' शीर्ष वाली अध्यन रिपोर्ट में कहा गया है कि महामारी के दौरान कोविड से अधिक प्रभावित रहे जिलों में परिवारों ने अन्य वित्तीय संपत्तियों और नकदी के बजाय सोने में निवेश को प्राथमिकता दी। आईआईएम-अहमदाबाद का यह अध्ययन उसकी वेबसाइट पर 30 जून को डाला गया था। इस सर्वे में 21 राज्यों के 142 जिलों को शामिल किया गया है। अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार, भारत दुनिया में सोने (आभूषण के रूप में) का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है और एक औसत भारतीय परिवार अपनी कुल बचत का 11 प्रतिशत बहुमूल्य धातु में रखता है। अध्ययन में कहा गया है कि स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता में भौगोलिक असमानताओं को दूर करने से लोगों के बीच इस डर को कम किया जा सकता है। इससे सोने जैसी सुरक्षित संपत्तियों की ओर रुझान घट सकता है। इसके अलावा, वित्तीय साधनों और संस्थानों तक बेहतर पहुंच संकट के समय में सोने में जमा रखने की प्राथमिकता को कम कर सकती है। अध्ययन के अनुसार, कोविड प्रभावित जिलों में घरेलू बचत पोर्टफोलियो में सोने की हिस्सेदारी अन्य जिलों की तुलना में 6.9 प्रतिशत अंक देखी गई। वहीं वित्तीय परिसंपत्तियों में उनकी बचत 4.1 प्रतिशत अंक कम रही।

एनएसई ने निवेशकों को दी चेतावनी, न पड़े सुनिश्चित रिटर्न योजना के झांसे में

नई दिल्ली । नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) ने निवेशकों को दो व्यक्तियों की तरफ से प्रस्तावित किसी भी सुनिश्चित लाभ योजना में अपना पैसा लगाने के प्रति आगाह किया। ये दो व्यक्ति शेयर बाजार से जुड़े उज्जवल प्रियदर्शी और ट्रेडशयोर से जुड़ी नेहा हैं। एनएसई ने दो अलग-अलग बयानों में कहा कि वे उज्ज्वल और नेहा को शेयर बाजार में निवेश पर सुनिश्चित लाभ देने और कारोबार के लिए प्रतिभूति बाजार संबंधी सलाह प्रदान कर रहे थे और निवेशकों को उनके ट्रेडिंग खातों को संभालने की पेशकश भी कर रहे थे। बयानों के अनुसार, ये व्यक्ति एक्सचेंज के पंजीकृत सदस्य के सदस्य या अधिकृत व्यक्ति के रूप में पंजीकृत नहीं हैं। एनएसई ने निवेशकों को सावधान करते हुए उनसे शेयर बाजार में गारंटीशुदा रिटर्न की पेशकश करने वाले किसी भी व्यक्ति या संस्था की तरफ से पेश की गई ऐसी किसी भी योजना या उत्पाद की सदस्यता नहीं लेने को कहा। यह कानून के तहत प्रतिबंधित है। एक्सचेंज ने निवेशकों को पंजीकृत सदस्य और अधिकृत व्यक्तियों के विवरण की जांच करने के लिए अपनी वेबसाइट पर अपने स्टॉक ब्रोकर को जानें/पता लगाएं की सुविधा भी प्रदान की है। इसके लिए निवेशकों को आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा।

टॉयलेट जाने से रोका तो विमान के फर्श पर ही महिला ने कर दिया पेशाब

वॉशिंगटन। एयरलाइंस के कर्मचारियों ने एक महिला को टॉयलेट जाने से रोका तो उसने विमान के फर्श पर ही पेशाब कर दिया। इसके बाद क्रू मेंबर ने इसका वीडियो भी बनाया। गौरतलब है कि पिछले कुछ महीनों के दौरान विमान के अंदर अभद्र व्यवहार की कई खबरें आ चुकी हैं। एक शख्स के दूसरे यात्री पर पेशाब करने, एयरलाइंस के यात्रियों को हवाईअड्डे पर छोड़ देने से लेकर फ्लाइट में महिला को बिच्छू के काटने जैसी कुछ असामान्य घटनाएं सामने आई हैं। अब ऐसी ही एक विचित्र घटना सामने आई है, जिसमें एक महिला ने कहा कि उसे उड़ान के दौरान प्लेन के फर्श पर 'पेशाब करने के लिए मजबूर' किया गया था। महिला ने दावा किया कि एयरलाइंस के कर्मचारियों ने उसे कई घंटों तक विमान के टॉयलेट का उपयोग करने से रोक रखा था। रिपोर्ट के मुताबिक, यह बेहद अपमानजनक घटना अमेरिका की स्पिरिट एयरलाइंस की एक उड़ान में हुई। महिला का दावा है कि उसने दो घंटे तक इंतजार किया, लेकिन उसके बाद 'और बर्दाश्त नहीं कर सकी।' इसलिए उसे विमान के फर्श पर पेशाब करने के लिए मजबूर होना पड़ा। हालांकि इस दौरान केबिन क्रू के एक सदस्य ने इसका वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। इस वीडियो के कैप्शन में कहा गया है कि '07/20/2023 स्प्रिट एयरलाइंस की उड़ान में एक महिला ने फर्श पर पेशाब कर दिया, क्योंकि वह उड़ान भरने के बाद टॉयलेट खुलने का इंतजार नहीं करना चाहती थी। इस बीच फ्लाइट अटेंडेंट ने कथित रूप से उस महिला से कहा कि उसे पानी पीना चाहिए' क्योंकि आपके पेशाब से बदबू आ रही है। सोशल मीडिया पर शेयर एक छोटी सी क्लिप में महिला को हवाई जहाज के फर्श पर बैठकर चालक दल के सदस्यों के साथ बहस करते हुए देखा जा सकता है। इस वीडियो पर सोशल मीडिया के यूजर्स ने गहरी नाराजगी जाहिर की है। एक यूजर ने कहा कि यह बेहद घृणित है। एक अन्य यूजर ने टिप्पणी करते हुए कहा कि यहां तक कि मेरी बिल्ली भी बहुत साफ-सुथरी है और धैर्यपूर्वक अपने टॉयलेट के लिए ले जाने का इंतजार करती है।

शख्स को बाहर निकाला तो लगा दी बार में आग, 11 की मौत, 4 भर्ती

मेक्सिको। मेक्सिको में एक शख्स को छेड़खानी करने के दौरान बार से बाहर निकाला तो उसने बार में ही आग लगा दी। इसके बाद वहां चीख पुकार मच गई। आग लगने से 11 लोगों की जलकर मौत हो गई, जबकि चार जाख्मी लोगों का अस्पताल में इजाल चल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक शख्स को बार में महिला से दुर्व्यवहार करने के लिए बार से बाहर निकाला गया था। वह वापस आया और पूरे बार में ही आग लगा दी। पुलिस के अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि शख्स को गिरफ्तार कर लिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आगजनी का यह मामला संयुक्त राज्य अमेरिका की सीमा से लगे मेक्सिको के उत्तरी राज्य सोनोरा के सैन लुइस रियो कोलोराडो शहर में शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात को हुआ। सोनोरा के राज्य अभियोजक के कार्यालय ने कहा कि बार में हुई आगजनी में 7 पुरुषों और 4 महिलाओं की जलने और दम घुटने से मौत हो गई। चार अन्य घायल हुए हैं, जिनको अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि हमलावर को महिलाओं के साथ असम्मानजनक व्यवहार करने के लिए बार से बाहर निकाला गया था- फिर वापस आकर उसने बार में आग लगा दी। शख्स ने बार पर कोई ज्वलंत वस्तु फेंकी, संभवत- वह मोलोटोव कॉकटेल था। राज्य के अटॉर्नी जनरल गुस्तावो रोमुलो सालास ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि मृत महिलाओं में से एक अमेरिकी नागरिक भी शामिल है। संभवतः दोहरी मैक्सिकन और अमेरिकन नागरिकता वाली महिला, और एक अन्य पीड़िता केवल 17 साल की थी, इस घटना में मारे गए हैं। शहर के मेयर सैंटोस गोंजालेज ने कहा कि संदिग्ध व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि संदिग्ध पुरुष अत्यधिक नशे में था, और वहां महिलाओं के प्रति अभद्र व्यवहार करने के कारण उसे बार से बाहर निकाल दिया गया था।

अश्वेत किशोर की याद में राष्ट्रीय स्मारक स्थापित करेंगे बाइडन

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने शिकागो के अश्वेत किशोर एमेट टिल और उसकी मां मैमी टिल-मोबली की याद में इलिनॉइस और मिसिसिपी में तीन जगह पर राष्ट्रीय स्मारक स्थापित करने का फैसला किया है। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एमेट पर 1955 में मिसिसिपी में एक श्वेत महिला को देखकर सीटी बजाने के आरोप लगे थे, जिसके बाद उसे अगवा कर प्रताड़ित किया गया था और उसकी हत्या कर दी गई थी। व्हाइट हाउस के अधिकारी ने बताया कि बाइडन इलिनॉइस और मिसिसिपी में तीन जगहों पर एमेट टिल और मैमी टिल-मोबली की याद में राष्ट्रीय स्मारक बनाने संबंधी उद्घोषणा पर मंगलवार (25 अगस्त) को दस्तखत करेंगे। अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर यह जानकारी दी, क्योंकि व्हाइट हाउस ने राष्ट्रपति की योजना की आधिकारिक तौर पर घोषणा नहीं की है। अधिकारी के मुताबिक, एमेट की याद में राष्ट्रीय स्मारक बनाने संबंधी उद्घोषणा पर दस्तखत के लिए 25 अगस्त की तारीख इसलिए चुनी गई है, क्योंकि अश्वेत किशोर का 1941 में इसी दिन जन्म हुआ था। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्मारक उन जगहों पर स्थापित किए जाएंगे, जहां एमेट ने अपनी जिंदगी के यादगार पल जिए थे, जहां उसके हत्यारों को दोषी ठहराया गया था और जहां उसकी मां ने अपने बेटे को न्याय दिलाने के लिए लंबा आंदोलन किया था।

ओपेनहाइमर पर विवाद का असर नहीं, 50 करोड़ से ज्यादा रह सकता है फर्स्ट वीकेंड

लॉस एजेलिस। ओपेनहाइमर पर विवादों का कोई असर नहीं पड़ा है। फिल्म शानदार कमाई कर रही है। सिलियन मर्फी स्टारर इस फिल्म ने रिलीज के दूसरे दिन यानी शनिवार को 17 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। फिल्म ने पहले दिन 14.50 करोड़ का बिजनेस किया था। इस तरह फिल्म ने सिर्फ दो दिनों में 31.50 करोड़ रुपए का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन कर लिया है। इस महीने इंडियन बॉक्स ऑफिस पर हॉलीवुड फिल्मों का बोलबाला रहा। पहले मिशन इम्पॉसिबल-7 और अब ओपेनहाइमर भी शानदार कमाई कर रही है। पहले और दूसरे दिन के आंकड़ों पर बात करें तो ओमेनहाइमर ने मिशन इम्पॉसिबल-7 को पछाड़ दिया है। इंडस्ट्री ट्रैकर सेकनिक के मुताबिक फिल्म ने सिर्फ दो दिनों में 31.50 करोड़ रुपए कलेक्शन किया है। रविवार को लेकर अनुमान लगाया जा रहा है कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 20 करोड़ तक का कारोबार करने में सफल हो जाएगी। इसके चलते फिल्म अपने पहले वीकेंड पर 50 करोड़ रुपए तक की कमाई कर सकती है। ऐसा संभव भी है क्योंकि फिल्म को ऑडियंस काफी ज्यादा पसंद कर रही है। डायरेक्टर क्रिस्टोफर नोलन की फिल्मों को भारत में काफी पसंद किया जाता है। सिलियन मर्फी फिल्म के लीड एक्टर हैं। ये फिल्म 21 जुलाई को रिलीज है। मिशन इम्पॉसिबल-7 12 जुलाई को रिलीज हुई थी। फिल्म को पांच दिनों का लंबा वीकेंड मिला था। पहले पांच दिनों में फिल्म ने 63 करोड़ रुपए की कमाई की थी। जबकि ओपेनहाइमर ने सिर्फ दो दिनों में 31.50 करोड़ कमा लिए हैं। मिशन इम्पॉसिबल-7 भारत में टॉम क्रूज की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। बॉर्बी ने शनिवार को 6.50 करोड़ का कलेक्शन किया है। इसने भी दो दिनों में 11.50 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है। दूसरी तरफ मिशन इम्पॉसिबल-7 ने एक हफ्ते का रन अकेले एंजॉय किया था।

चीन बना रहा अनोखा स्पेस प्लेन, अब 90 फीसदी सस्ता होगा स्पेस का सफर

बीजिंग। चीन द्वारा बनाए जा रहे अनोखे स्पेस प्लेन को यदि सफलता मिल गई तो 90 फीसदी स्पेस का सफर सस्ता हो जाएगा। गौरतलब है कि अंतरिक्ष में जाना आज के समय में बेहद महंगा पड़ता है। हालांकि अभी एलन मस्क की कंपनी स्पेस एक्स ही ऐसे रॉकेट का प्रयोग करती है, जिन्हें फिर से इस्तेमाल किया जा सके। लेकिन चीन नए तरीके के हाइपरसोनिक स्पेसप्लेन पर काम कर रहा है, जो अगर बन गया तो अंतरिक्ष में जाना सस्ता हो जाएगा। इसके डिजाइन का हाल ही में टेस्ट टेस्ट चीन ने अपने अल्ट्रा शक्तिशाली हाइपरसोनिक विंड टनल में किया है। यह नया विमान वाणिज्यिक, टोही और सैन्य भूमिकाओं के लिए डिजाइन किया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने दुनिया की सबसे शक्तिशाली पवन सुरंग का फुटेज जारी किया है। इसमें एक मदरशिप विमान से हवा में लॉन्च किए गए अंतरिक्ष यान का स्केल सेपरेशन दिखाया गया है। इस स्पेस प्लेन का डिजाइन 2019 में जारी किए गए एक डिजाइन जैसा दिखता है। हालांकि यह भी कहा गया है कि इससे ये नहीं मान लेना चाहिए कि दोनों टेस्ट आपस में जुड़े हुए हैं।

तेलअवीव में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतनयाहू के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए लोग।

फिर से धरती में 10,000 मीटर गहरी ड्रिलिंग कर रहा चीन

बीजिंग। मई में धरती की आंतरिक संरचनाओं का अध्ययन करने के नाम पर लगभग 10,000 मीटर गहरी ड्रिलिंग करने के बाद चीन ने इस साल अपना दूसरा अल्ट्रा-डीप ड्रिलिंग प्रोजेक्ट शुरू किया है। मगर इस बार चीनी परियोजना का इरादा कुछ अलग है। चीन धरती के नीचे बहुत ज्यादा गहराई में प्राकृतिक गैस भंडार का पता लगाने की कोशिश कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक इस परियोजना का नेतृत्व चाइना नेशनल पेट्रोलियम कॉर्प (सीएनपीसी) ने किया है। सीएनपीसी ने 10,520 मीटर (लगभग 6.5 मील) की अनुमानित गहराई के साथ सिचुआन प्रांत में शेंडी चुआंके 1 कुएं की ड्रिलिंग शुरू की है। रूस में मौजूद कोला सुपरडीप बोरहोल को दुनिया का सबसे गहरा मानव निर्मित छेद होने का गौरव हासिल है, जो 12,262 मीटर की आश्चर्यजनक गहराई तक जाता है। जबकि चीन के झिंजियांग में पिछले कुएं का प्रायोगिक फोकस मुख्य रूप से ड्रिलिंग टेक्नोलॉजी का परीक्षण करना और पृथ्वी की आंतरिक संरचना पर डेटा जुटाना था। सिचुआन में वर्तमान परियोजना का उद्देश्य विशेष रूप से अल्ट्रा-डीप प्राकृतिक गैस भंडार की खोज करना है। चीन का सिचुआन अपने मसालेदार व्यंजनों, लुभावने पहाड़ी दृश्यों और पांडा के लिए मशहूर है। इसके साथ ही यहां चीन के कुछ सबसे बड़े शेल गैस भंडार भी मौजूद हैं। हालांकि इन गैस संसाधनों को निकालने में ऊबड़-खाबड़ इलाके और जटिल भूवैज्ञानिक स्थितियों के कारण कई चुनौतियां हैं। हाल के समय में ड्रैगन सरकार ने ऊर्जा कंपनियों से बिजली की कमी, भू-राजनीतिक तनाव और दुनिया में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों उतार-चढ़ाव के जवाब में घरेलू उत्पादन को बढ़ाकर ईंधन सुरक्षा बढ़ाने की अपील की है। अत्यधिक गहरे प्राकृतिक गैस भंडार की खोज इन चिंताओं को दूर करने और अपनी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के देश के प्रयासों का हिस्सा है।

यूक्रेन में फिर हमले तेज, रूस की सेना ने चीनी दूतावास को ही उड़ाया, बढ़ा तनाव

-रूसी राष्ट्रपति पुतिन के सैनिकों की एक गलती से जिनपिंग को लगा बड़ा झटका

मॉस्को (एजेंसी)। यूक्रेन में फिर हमले तेज हो गए हैं। हालांकि इस बार रूसी सेना ने चीनी दूतावास को ही उड़ा दिया है। इससे राष्ट्रपति पुतिन और जिनपिंग के बीच तनाव बढ़ गया है। मिली जानकारी के अनसार यूक्रेन के ओडेसा शहर में रूस की सेना ने नए सिरे से हमले किए हैं। मगर इस बार एक ऐसी गलती हो गई है जिसकी सजा रूस और चीन की दोस्ती भुगत सकती है। ओडेसा में हुए हमलों के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सैनिकों ने गलती से चीनी वाणिज्य दूतावास के एक हिस्से को निशाना बना दिया। इस गलती के बाद चीन के साथ उसका गठबंधन खतरे में पड़ गया है। इस घटना पर यूक्रेन के रक्षा मंत्री ओलेक्सी रेजनिकोव ने कहा है कि पिछली चार महीनों में कई बार चीन और रूस का गठबंधन खतरे में आया है। उन्होंने दोनों देशों के रिश्ते पर सवाल उठाने वाली कई घटनाओं का हवाला दिया। हालांकि इस घटना पर रूस की तरफ से अभी कुछ नहीं कहा गया है। ट्विटर पर रेजनिकोव ने लिखा, ?कि 16 मई को रूस ने किंझल मिसाइलों से कीव पर हमला किया जबकि चीनी राजदूत ली हुई यूक्रेन की राजधानी का दौरा कर रहे थे। इसके बाद उन्होंने बताया 19 जुलाई को रूस ने 60,000 टन यूक्रेनी अनाज को नष्ट कर दिया जिसमें से कुछ को चीन को निर्यात होना था।

इसी तरह से ओडेसा पर रूसी मिसाइल और

ड्रोन हमले के परिणामस्वरूप रिहायशी क्षेत्र में स्थित चीन के वाणिज्यक दूतावास की इमारत क्षतिग्रस्त हो गई। उनका कहना था कि यह बिना किसी सीमा वाली दोस्ती का एक छोटा सा इतिहास है। फरवरी 2022 में पुतिन ने जब यूक्रेन पर हमले शुरू किए थे तो उसके कुछ हफ्ते पहले ही उन्होंने अपने चीनी समकक्ष शी जिनपिंग से मिल रहे थी। उस समय पुतिन ने ऐलान किया था कि दोनों देशों के बीच दोस्ती की कोई सीमा नहीं है। फिर भी चीन ने अपनी तटस्थता दोहराते हुए दोनों पक्षों से शांति समझौते पर सहमति के लिए बातचीत का आग्रह किया है। चीन के विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने पुष्टि की कि नखिमोवा लेन में चीनी वाणिज्यक दूतावास की एक इमारत पर हमला किया गया था। रूस ने मिसाइलों की बौछार से ओडेसा के दक्षिण-पश्चिमी बंदरगाह को निशाना बनाया था।

वहीं चीन का कहना था कि दूतावास के कर्मचारी बहुत पहले ही परिसर छोड़ चुके थे और किसी को चोट नहीं आई। उन्होंने एक बयान में कहा कि चीन घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रहा है और संबंधित पक्षों के संपर्क में है। चीन का कहना है कि यूक्रेन में चीनी संस्थानों और नागरिकों को सुरक्षित रखने के लिए सभी जरूरी उपाय अपनाए जाएंगे। माना जा रहा है कि यह हमला इस हफ्ते की शुरुआत में हुए हमले का जवाब है। उस हमले में क्रीमिया को रूस से जोड़ने वाले केर्च पुल को निशाना बनाया गया था और यह गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गया है। ओडेसा में हमलों में कम से कम दो लोग मारे गए।

बढ़ता तापमान दुनिया के लिए बना खतरा, ले डूबेगी ग्लोबल वार्मिंग

-भारत को भी झुलसाएगी यूरोप और अमेरिका में कहर ढा रही भीषण गर्मी

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। दुनिया के लिए बढ़ता तापमान बड़ा खतरा पैदा कर रहा है। वैज्ञानिक कह रहे हैं कि एक दिन ग्लोबल वार्मिंग पूरी दुनिया को ले डूबेगी। गौरमलब है कि यूरोपीय महाद्वीप में गर्मी हर दिन नए रिकॉर्ड बना रही है। इटली में तो झुलसाती गर्मी के कारण रोम समेत 16 शहरों में रेड अलर्ट तक जारी करना पड़ गया। वहीं, अमेरिका में भी लोगों को भयंकर गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, अफ्रीका से आने वाली गर्म हवाओं ने यूरोप में हालात बिगाड़ दिए हैं। वहीं, एशिया में चीन के लोगों को भीषण गर्मी न परेशान किया है। ऐसे में ये सवाल भी है कि आने वाले समय में भारत में भी तापमान बढ़ेगा और लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना होगा? मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, बहुत ज्यादा गर्म मौसम होने पर हीटवेव की स्थिति बन जाती है। हालांकि, ऐसे हालात लंबे समय तक नहीं रहते हैं। किसी भी क्षेत्र में हीटवेव के हालात तब बनते हैं, जब उस जगह का औसत तापमान बहुत ज्यादा बढ़ जाता है। भारत में हीटवेव को तीन मानकों पर परखा जाता है। सबसे पहला, जब मैदानी इलाकों का तापमान 40 डिग्री से ज्यादा हो जाता है तो हीटवेव के हालात मान लिए जाते हैं।

वैज्ञानिक बताते हैं कि भारत में अगर तटीय इलाकों का तापमान 37 डिग्री के पार चला जाता है तो हीटवेव के हालात घोषित कर दिए जाते हैं। वहीं, पहाड़ी क्षेत्र का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा हो जाता है तो हीटवेव की स्थिति मान ली जाती है। फिलहाल भारत में मानसून की वजह से राहत है, लेकिन उमस से लोग परेशान हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, ऐसे हालात का प्रमुख कारण ग्लोबल वार्मिंग है। वहीं, वैज्ञानिक शोध कर रहे हैं आखिर तापमान में लगातार बढ़ोतरी क्यों हो रही है? लगातार जलवायु परिवर्तन के कारण भारत भी हीटवेव की जद में हैं।

अब कनाडा में मूसलाधार बारिश से आई बाढ़

- हर तरफ तबाही का मंजर, कई लोग लापता

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा में मूसलाधार बारिश के कारण बाढ़ आ गई है. बाढ़ में दो बच्चों सहित कनाडा के चार लोगों के लापता होने की सूचना मिली है। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने कहा कि बच्चे एक कार में थे जो पानी में डूब गई थी। कार में सवार अन्य तीन लोग अपने आप को बचाने में सफल रहे। पुलिस एजेंसी ने कहा कि पूर्वी प्रांत में एक अलग घटना में एक युवक और एक व्यक्ति के समान परिस्थितियों में लापता होने की सूचना मिली थी। नोवा स्कोटिया में हो रही भारी बारिश के कारण सड़कें टूट गई हैं और घरों में पानी भर गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रीमियर टिम ह्यूस्टन ने एक समाचार ब्रीफिंग में बताया कि प्रांत में 24 घंटे से भी कम समय में लगभग 25 सेमी (10 इंच) बारिश हुई है, तीन महीने की बारिश के बराबर है। ह्यूस्टन ने प्रांत के कई इलाकों में आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी और निवासियों से लापता लोगों की तलाश में शामिल नहीं होने का आग्रह किया क्योंकि स्थितियां खतरनाक बनी हुई हैं। उन्होंने अनुमान लगाया कि पानी उतरने में कई दिन लगेंगे। विंडसर क्षेत्र में लोगों को आधी रात में जगह खाली करने के आदेश दिए गए-क्योंकि बाढ़ के कारण बांध टूटने का खतरा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक समय में 80,000 से अधिक लोग बिना बिजली के रह रहे हैं. प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि वह बाढ़ को लेकर बहुत चिंतित हैं और उन्होंने वादा किया कि सरकार हर संभव मदद करेगी। पेनसिल्वेनिया में एक नदी के किनारे मिले दो साल की बच्ची का शव पिछले सप्ताहांत अचानक आई बाढ़ में बह गए दो लापता बच्चों में से एक माना जा रहा है। उसका नौ महीने का भाई अभी भी लापता है।

काला सागर में यूक्रेन के अनाज को रास्ता नहीं मिला तो लाखों लोग भूख से मरेंगे

-रुस की हठधर्मी से यूक्रेनी अनाज गरीब देशों तक नहीं पहुंचेगा, यूएन कि चिंता बढ़ी

कीव/मॉस्को (एजेंसी)। रूस की हठधर्मिता का खामियाजा यूएन देशों को भुगतना पड़ सकता है। यदि रूस ने काला सागर अनाज समझौते को जारी नहीं किया तो दुनिया में लाखों लोग भूख से मर जाएंगे। जानकारी के अनुसार रूस ने यूक्रेनी अनाज के काले सागर में सुरक्षित निर्यात की मंजूरी देने वाले काला सागर अनाज समझौते से खुद को अलग कर लिया है। इससे अनाज की कीमतों में होने वाली बढ़ोतरी संभावित रूप से लाखों लोगों के लिए भुखमरी और इससे भी बदतर स्थिति पैदा कर सकती है। संयुक्त राष्ट्र के सहायता प्रमुख ने सुरक्षा परिषद को इस खतरे से आगाह किया। रूस ने सोमवार को यह कहते हुए काला सागर अनाज समझौता छोड़ दिया कि उसकी खाद्य और उर्वरक निर्यात में सुधार की मांगें पूरी नहीं हुईं। रूस ने आरोप लगाया कि पर्याप्त यूक्रेनी अनाज गरीब देशों तक नहीं पहुंचा है। इस बारे में मार्टिन ग्रिफिथ्स ने 15 सदस्यीय निकाय को बताया कि ऊंची कीमतों को विकासशील देशों के परिवार सबसे अधिक तीव्रता से महसूस करेंगे।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में 69 देशों में लगभग 36.2 करोड़ लोगों को मानवीय सहायता की जरूरत है। इस फैसले से कुछ लोग भूखे रह जाएंगे, कुछ भूख से मर जाएंगे और कई लोगों की मौत हो सकती है। संयुक्त राष्ट्र ने तर्क दिया कि काला सागर समझौते से विश्व स्तर पर खाद्य पदार्थों की कीमतों में 23 फीसदी से अधिक की कमी करके गरीब देशों को लाभ हुआ है। यूएन वर्ल्ड फूड प्रोग्राम ने अफगानिस्तान, जिबूती इथियोपिया, केन्या, सोमालिया, सूडान और यमन में भी लगभग 725,000 मीट्रिक टन यूक्रेन अनाज भेजा है। लेकिन अर्थशास्त्री मिखाइल खान, जिनसे रूस ने सुरक्षा परिषद को जानकारी देने के लिए कहा था, ने कहा कि सबसे गरीब देशों को केवल 3 प्रतिशत अनाज मिला है।

रूस के उप विदेश मंत्री सर्गेई वर्शिनिन ने मॉस्को में कहा कि समझौते से बाहर निकलने के बाद रूस सबसे अधिक जरूरतमंद देशों को अनाज के निर्यात पर बातचीत कर रहा है, लेकिन अभी तक किसी कॉन्ट्रैक्ट पर साइन नहीं किया है। वैश्विक खाद्य संकट को टालने और यूक्रेन से अनाज के निर्यात की मंजूरी को लेकर रूस को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अपने ही सहयोगी चीन और विकासशील देशों के साथ ही पश्चिमी देशों के दबाव का भी सामना करना पड़ा। रूस की ओर से काला सागर के एक बड़े हिस्से को नौवहन के लिए खतरनाक घोषित किए जाने के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी कि समुद्र में किसी सैन्य कार्रवाई के विनाशकारी प्रभाव हो सकते हैं।

पाकिस्तान में हिंदू लड़कियों का करवाया गया धर्म परिवर्तन और मुस्लिमों से कराई शादी, परेशान पिता ने भारत से की हस्तक्षेप करने की अपील

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में हिंदू बेटियों के साथ अत्याचार किया जा रहा है। एक बार फिर से पाकिस्तान में हिंदू बेटियों का ना सिर्फ जबरन धर्म परिवर्तन करवाया गया है। बल्कि मुस्लिम पुरुषों से शादी करने के लिए मजबूर किया है। इसका खुलासा एक रिपोर्ट में हुआ है, जिसके अनुसार अल्पसंख्यक समुदाय पर लगातार जुर्म और अत्याचार किया जा रहा है।

पाकिस्तान में हिंदू और सिख बेटियों का धर्म परिवर्तन जबरन किया जा रहा है। हाल ही के मामले में पंजाब प्रांत के सादिकाबाद की हिंदू लेहलाराम पन्हवर की तीन बच्चियों को पहले अगवा किया गया। इसके बाद तीनों का धर्मपरिवर्तन करवाया गया। तीनों बच्चियों को जबरन इस्लाम कबूल करवाए जाने की बात भी सामने आई है।

इस मामले के सामने आने के बाद भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने भी ट्वीट किया है। उन्होंने विदेश मंत्रालय से इस मामले में हस्तक्षेप करने की गुहार लगाई है। जानकारी के लिए बता दें कि घटना पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में जिला रहीन यार खान में हुई है। यहां पीड़ित को शक था कि उनकी तीन बेटियों का धर्म परिवर्तन करवाया जा सकता है। इसके बाद उन्होंने पुलिस से सहयोग मांगा मगर उन्हें कोई सहायता नहीं मिली। जानकारी के मुताबिक एक वीडियो भी वायरल हुआ है। इस वीडियो में तीनों बेटियों का जबरन धर्म परिवर्तन होते दिखाया गया है। खबरों की मानें तो बच्चियों की मुस्लिमों से शादी करवा दी गई है।

भारत सरकार से मदद की आस

पाकिस्तान में पुलिस द्वारा मदद ना मिलने पर इंसाफ के लिए पीड़ित परिवार ने भारत सरकार से मदद की गुहार लगाई है। उन्होंने भारत सरकार से भी गुहार लगाई है कि वो उनकी बच्चियों को बचाने में मदद करे। इस संबंध में मनजिंदर सिंह सिरसा पीड़ित परिवार के संपर्क में है।

सीमा हैदर के भारत आने पर हमले बढ़े

कई संगठन हिंदू बच्चियों के खिलाफ हो रहे इन हमलों को लेकर आवाज उठा रहे है। हिंदू लड़कियों के साथ अत्याचार और धर्म परिवर्तन के मामले लगातार बढ़ रहे है। पुलिस और संबंधित अधिकारी इस मामले में कुछ नहीं कर रहे हैं और आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। यह भी दावा किया कि सीमा हैदर घटना के बाद से नदी क्षेत्रों में हिंदू समुदाय पर हमले बढ़ गए हैं। बता दें कि सीमा हैदर पाकिस्तान से भागकर नेपाल के रास्ते भारत आई है। वर्तमान में वो नोएडा में अपने प्रेमी सचिन के साथ रह रही है। सीमा चार बच्चों की मां है।

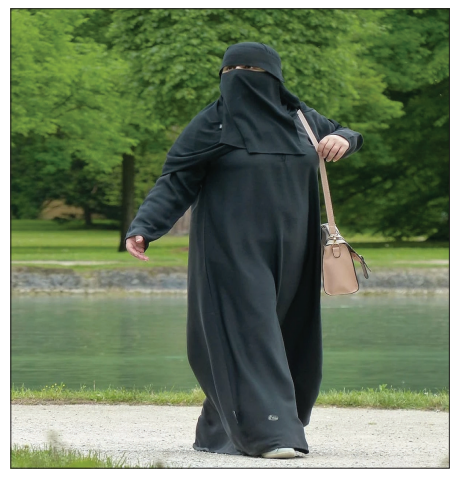

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

खरा उतरा स्काईरूट रॉकेट का इंजन, इसरो ने किया सफल परीक्षण

हैदराबाद। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने स्काईरूट के रॉकेट के इंजन का सफल परीक्षण कर ?लिया है। हैदराबाद के एक अंतरिक्ष स्टार्टअप स्काईरूट के रॉकेट इंजन का एक सफल परीक्षण की जानकारी तमिलनाडु के महेंद्रगिरि स्थित इसरो प्रोपल्शन कॉम्पलेक्स (आईपीआरसी) ने दी। उधर इसरो ने भी एक बयान में कहा कि आईपीआरसी में लिक्विड थ्रस्टर टेस्ट फैसिलिटी (एलटीटीएफ) में शुक्रवार के परीक्षण में रमन-2 इंजन का इस्तेमाल किया गया, जिसे स्काईरूट ने 820 न्यूटन(समुद्र स्तर) और 1,460 न्यूटन (वैक्युम) बल उत्पन्न करने के लिए डिजाइन किया है। इसका सामान्य चैम्बर दबाव 8.5 'बार एब्सोल्यूट है। इंजन में मोनो मिथाइल हाइड्राजीन और नाइट्रोजन टेट्रोक्साइड का प्रणोदक के रूप में उपयोग किया गया है। बयान में कहा गया है, ?कि 10 सेकंड अवधि का यह परीक्षण कई लक्षित मानदंडों पर खरा उतरा। स्काईरूट रमन-2 इंजन को अपने प्रक्षेपण यान विक्रम-1 के चौथे चरण से एकीकृत करना का इरादा रखता है।बयान में कहा गया है ?कि परीक्षण सुविधा प्रणालियों ने परीक्षण के दौरान सामान्य कार्य निष्पादन को प्रदर्शित किया। स्काईरूट के अनुसार अभी कई अतिरिक्त परीक्षण करने की भी योजना है, ताकि रमन-2 इंजन की क्षमताओं को और परखा जा सके।

भारतीय सीमा में घुसे दो चीनी नागरिक गिरफ्तार, चेतावनी के बाद भी नहीं माने

चंपारण। आव्रजन विभाग ने अवैध रुप से घुसपैठ करने वाले दो चीनी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार ये दोनों नेपाल के बीरगंज के रास्ते भारतीय सीमा में अवैध रूप से प्रवेश कर रहे थे। हालांकि गिरफ्तारी से पहले उन्हें एकबार पहले भी चेतावनी दी गई थी, लेकिन फिर भी वे नहीं माने। ये दोनों चीनी नागरिक इससे पहले भी 2 जुलाई 2023 को नेपाल के रास्ते बिना भारतीय वीजा के अनाधिकृत रूप से भारत में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे। उस दौरान दोनों चीनी नागरिकों को पहली बार बॉर्डर पार करने पर इनके पासपोर्ट पर एंट्री रिफ्यूज्ड कर चेतावनी दी गई थी। उस दौरान दोनों चीनी नागरिकों को चेतावनी देकर वापस नेपाल भेज दिया गया था। भारतीय सीमा में अवैध रूप से प्रवेश कर रहे दोनों चीनी नागरिकों को पहली बार पकड़े जाने पर आव्रजन अधिकारियों की ओर से सलाह दी गई थी कि वे वैध तरीके से वीजा लेकर भारत आए। इसके बावजूद शनिवार को दोनों फिर से बिना पासपोर्ट और वीजा के अनाधिकृत रूप से भारत में प्रवेश करने की को ?शिश की थी। आव्रजन अधिकारियों ने आशंका जताई है कि इनका अवैध तरीके से भारत में प्रवेश का मकसद गलत प्रतीत होता है। जानकारी के अनुसार दोनों चीनी नागरिक शनिवार रात 8.45 बजे अवैध तरीके से भारतीय सीमा में प्रवेश की कोशिश कर रहे थे। नेपाल से भारत में प्रवेश के दौरान इंडियन कस्टम ऑफिस के सामने से भारतीय आव्रजन अधिकारियों ने दोनों को पकड़ा। पकड़े जाने के बाद दोनों को जांच के लिए आव्रजन कार्यालय लाया गया। जांच में पाया गया कि दोनों चीनी नागरिकों के पास पासपोर्ट और वीजा उपलब्ध नहीं है। कस्टम अधिकारियों ने जब वैध कागजातों की जानकारी लेने की कोशिश की, तो उनके पास से कोई भी वैध कागज नहीं मिला। पकड़े गए चीनी नागरिकों की पहचान जाओ जिंग और फू-कांग के रूप में की गई है।

अदालत से आंबेडकर की तस्वीर हटाने के हाई कोर्ट ने दिए निर्देश

चेन्नै। मद्रास हाई कोर्ट ने एक बड़ा आदेश देते हुए अदालतों से आंबेडकर की तस्वीर हटाने के निर्देश दिये हैं। हाई कोर्ट ने अदालतों को एक सर्कुलर जारी करके कहा है कि तमिलनाडु और पुडुचेरी की अदालतें केवल महात्मा गांधी और तमिल कवि-संत तिरुवल्लुवर की तस्वीरें ही अदालतों में लगा सकते हैं। हाई कोर्ट ने कांचीपुरम के प्रधान जिला न्यायाधीश को अलंदुर में बार आसोसिएशन के नवनिर्मित संयुक्त न्यायालय परिसर के प्रवेश कक्ष से बीआर आंबेडकर का चित्र हटाने का निर्देश दिया है। मद्रास हाई कोर्ट का यह सर्कुलर सभी जिला अदालतों को रजिस्ट्रार जनरल की ओर से 7 जुलाई में भेजा गया है। सर्कुलर में उन घटनाओं का जिक्र किया गया है जिनमें राष्ट्रीय नेताओं की मूर्तियों को नुकसान पहुंचाया गया है और जिससे टकराव पैदा हुआ है। इसके अलावा विभिन्न स्थानों पर कानून-व्यवस्था संबंधी समस्याएं पैदा हुई हैं। यह मुद्दा विभिन्न अधिवक्ता संघों से प्राप्त अभ्यावेदनों से संबंधित है, जिसमें आंबेडकर और संबंधित संघ के वरिष्ठ अधिवक्ताओं के चित्रों का अनावरण करने की अनुमति मांगी गई है। 11 अप्रैल को आयोजित एक बैठक में, हाई कोर्ट की पूर्ण पीठ ने ऐसे सभी अनुरोधों को खारिज कर दिया। इस संबंध में पूर्ण अदालत की बैठक के पारित विभिन्न प्रस्तावों को सूचीबद्ध करते हुए, सर्कुलर जारी किया गया। इसमें बताया गया कि 11 मार्च, 2010 को हुई बैठक में, पूर्ण अदालत ने अदालत परिसरों में महात्मा गांधी और तिरुवल्लुवर की तस्वीर को छोड़कर अन्य किसी की भी तस्वीर, स्टैच्यू या चित्र लगाने की अनुमति नहीं देने का संकल्प लिया था।

मनसे प्रमुख के बेटे को नासिक टोल प्लाजा पर रोके जाने के बाद कार्यकर्ताओं ने तोड़फोड़ की

नासिक। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के नेता अमित ठाकरे को नासिक टोल प्लाजा पर रोके जाने के बाद रविवार तड़के मनसे कार्यकर्ताओं ने वहां कथित रूप से तोड़फोड़ की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मनसे के संस्थापक राज ठाकरे के पुत्र अमित ठाकरे की कार पर लगे फास्टटैग में कुछ दिक्कत आने के कारण शनिवार रात करीब सवा नौ बजे उन्हें सिन्नार के गोंदे टोल प्लाजा पर कथित रूप से रोका गया था। वह मुंबई लौट रहे थे। मनसे के कार्यकर्ताओं की भीड़ ने रविवार देर रात करीब ढाई बजे टोल प्लाजा पर तोड़फोड़ की और वहां के पदाधिकारी से माफी मंगवायी। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वावी थाने के एक अधिकारी ने बताया, ''घटना की जांच की जा रही है और सीसीटीवी आदि की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। हमें (टोल प्लाजा कर्मचारियों से) कोई शिकायत नहीं मिली है, लेकिन मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरु कर दी गई है।

न्यायमूर्ति अराधे बने तेलंगाना हाईकोर्ट के सीजे, राज्यपाल ने दिलाई शपथ

हैदराबाद। न्यायमूर्ति आलोक अराधे तेलंगाना हाईकोर्ट के सीजे बन गए हैं। उन्होंने रविवार को तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदर्यराजन ने राजभवन में आयोजित एक समारोह में नए मुख्य न्यायाधीश को पद की शपथ दिलाई। समारोह में मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव मौजूद रहे। इस दौरान उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार ने 18 जुलाई को भारत के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा जारी वारंट को पढ़ा, जिसमें कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति आलोक अराधे को तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। जस्टिस अराधे को शपथ दिलाने से पहले राज्यपाल ने राष्ट्रपति द्वारा जारी वारंट सौंपा। शपथ ग्रहण समारोह में मंत्री, उच्च न्यायालय के न्यायाधीश और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बता दें कि न्यायमूर्ति अराधे ने न्यायमूर्ति उज्जवल भुइयां का स्थान लिया, जिन्हें हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था। इसके अलावा उन्हें 2009 में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय का अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। 2016 में जम्मू और कश्मीर उच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर दिया गया था। उन्होंने कुछ समय के लिए वहां कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में भी कार्य किया। 2018 में, उन्हें कर्नाटक उच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर दिया गया। जुलाई से अक्टूबर 2022 तक, न्यायमूर्ति अराधे कर्नाटक उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश थे। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में उनका यह कार्यकाल अप्रैल 2026 तक रहेगा।

महाराष्ट्र में भारी बारिश के मद्देनजर नौसेना, वायुसेना, थल सेना अलर्ट मोड पर

मुंबई। महाराष्ट्र में मूसलाधार बारिश का दौर जारी है. कई जगहों पर भारी बारिश की खबर है. मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले कुछ दिनों तक महाराष्ट्र में बारिश जारी रहेगी. इसके मद्देनजर नौसेना, वायुसेना और थल सेना अलर्ट मोड पर हैं। मदद के लिए मुंबई से सटे रायगढ़ में हेलीकॉप्टर भेजने का प्रयास किया गया, लेकिन खराब मौसम के कारण इसमें बाधा आ रही है. उधर, यवतमाल में बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद के लिए तीन हेलीकॉप्टर भेजे गए हैं.

देश में दूसरे सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले सीएम बने नवीन पटनायक

-ओडिशा में बतौर सीएम 23 साल और 139 दिन पूरे करने के बाद ज्योति बसु का रिकॉर्ड तोड़ा

भुवनेश्वर (एजेंसी)। बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष और ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक देश में दूसरे सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले सीएम बन गए हैं। उन्होंने यह कीर्तिमान रविवार को भारत में दूसरे सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्री बतौर बनाया है। बता दें कि उन्होंने ओडिशा के मुख्यमंत्री के रूप में 23 साल और 139 दिन पूरे करने के बाद रविवार को पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री ज्योति बसु का रिकॉर्ड तोड़ दिया। ज्योति बसु ने 21 जून 1977 से 5 नवंबर 2000 तक पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया, जो 23 वर्ष, 138 दिन है। नवीन पटनायक का जन्म 16 अक्टूबर 1946 को ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री बीजू पटनायक और उनकी पत्नी ज्ञान पटनायक के घर हुआ था। अपने परिवार और बचपन के दोस्तों द्वारा प्यार से पप्पू कहे जाने वाले पटनायक ने अपने पिता और स्वतंत्रता सेनानी बीजू पटनायक के निधन के बाद राजनीति में प्रवेश किया। एक प्रतिष्ठित राजनीतिक परिवार से होने के बावजूद, वह अपने प्रारंभिक जीवन के अधिकांश समय राजनीति से दूर रहे। लेकिन अपने पिता के निधन के बाद, उन्होंने 1997 में राजनीति में प्रवेश किया और ओडिशा के अस्का संसदीय क्षेत्र से उपचुनाव में 11वीं लोकसभा के सदस्य के रूप में चुने गए। तब से, उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और कभी चुनावी हार का स्वाद नहीं चखा, जो भारतीय राजनीति में दुर्लभ है। सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग आजादी के बाद सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले व्यक्ति हैं। चामलिंग ने 12 दिसंबर 1994 से 27 मई 2019 तक सिक्किम के सीएम के रूप में कार्य किया। चामलिंग 24 साल और 166 दिनों तक इस पद पर रहे। बसु, जो 2018 में चामलिंग से आगे निकलने तक भारत में सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्री थे, अब सूची में तीसरे स्थान पर आ गए हैं। पवन चामलिंग और ज्योति बसु के बाद नवीन पटनायक लगातार पांच बार सीएम बनने वाले तीसरे मुख्यमंत्री हैं।

रिकार्ड बनाने के बाद बीजद विधायक राज किशोर दास ने कहा कि मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने रिकॉर्ड स्थापित करने के मामले में दिवंगत ज्योति बसु को पीछे छोड़ दिया है। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है। मुझे यकीन है कि वह लगातार छठी बार 2024 का चुनाव जीतकर किसी अन्य का रिकॉर्ड तोड़ देंगे। बीजद के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद मानस मंगराज ने ट्विटर पर मुख्यमंत्री को बधाई देते हुए कहा, सादगी से भरपूर, विनम्र और हमेशा जमीन से जुड़े हुए एक मजबूत और निर्णायक नेता, हमारे माननीय सीएम ओडिशा ने 5 मार्च 2000 को ओडिशा के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला और राज्य का नेतृत्व करना जारी रखा। उन्होंने कहा, इन 23 वर्षों के नेतृत्व के दौरान, पटनायक ने राज्य में स्वास्थ्य, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और नौकरी के अवसरों के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाए हैं।

बताते चलें कि बीजद ने 2014 और 2019 में विधानसभा चुनाव जीता और पटनायक अब तक ओडिशा में अपराजेय बने हुए हैं। उन्होंने 2000 में ओडिशा के मुख्यमंत्री के रूप में पदभार संभाला, जब राज्य 1999 में एक सुपर चक्रवात से तबाह हो गया था और खजाना खाली था। उन्होंने एकनिष्ठ समर्पण और प्रतिबद्धता से राज्य को आपदा प्रबंधन, वित्तीय अधिशेष स्थिति में रोल मॉडल बनाया। संयुक्त राष्ट्र ने चक्रवात फेलिन के बाद शून्य क्षति के साथ आपदा प्रबंधन के कुशल संचालन के लिए उन्हें सम्मानित किया। कोविड-19 महामारी के दौरान, जब देश को ऑक्सीजन की आवश्यकता थी, वह ओडिशा ही था जिसने भारत के विभिन्न राज्यों को ऑक्सीजन प्रदान की। इस तरह से उन्होंने अनेक कीर्तिमान बनाए।

देश में अच्छी चीजों पर 40 गुना अधिक चर्चा होने से सकारात्मक माहौल : भागवत

मुंबई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि देश में चालीस गुना अधिक अच्छी चीजों पर चर्चा होने से देश में सकारात्मकता का माहौल है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत रविवार को एक अस्पताल के उद्घाटन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि देश में अब जो अच्छी चीजें हो रही हैं, उन पर बुरी चीजों के मुकाबले कम से कम 40 गुना अधिक चर्चा हो रही है। उत्तरी मुंबई के कांदिवली उपनगर में सुवर्णा अस्पताल का उद्घाटन कार्यक्रम में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस भी उपस्थित रहे। भागवत ने कहा कि कई बार नकारात्मक चर्चा सुनने को मिलती है। लेकिन जब हम देशभर में जाते हैं और देखते हैं तो हमें पता चलता है कि भारत में जो अच्छी चीजें हो रही हैं, उस पर बुरी चीजों के मुकाबले 40 गुना अधिक बात हो रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों और सरकार में जिम्मेदार लोगों के काम के कारण आज देश का उत्कर्ष हो रहा है। चीजें सुचारू रूप से चल रही हैं क्योंकि कुछ लोग कुछ नहीं करते। अगर वे काम करेंगे तो दिक्कतें होंगी। आरएसएस प्रमुख भागवत ने कहा कि लोगों में भारत को गौरव हासिल करते देखने की इच्छा 40 साल पहले की तुलना में आज अधिक प्रबल है। इसे बढ़ना चाहिए। हम बढ़ रहे हैं लेकिन हम अभी तक उतने शक्तिशाली नहीं हैं। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि कुछ लोग हैं जो हमें बढ़ते हुए नहीं देखना चाहते।आज के समाज में सिर्फ रोटी, कपड़ा और मकान ही नहीं, बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य भी आवश्यक हो गए हैं। अच्छा या बुरा तय करने का पैमाना क्या है? कुछ ऐसा होता है जो दिखाई देता है और दूसरी ओर कुछ ऐसा होता है जो असल में होता है। कोई इसे ऐसे दिखा सकता है कि यह हो गया, भले ही वह न हुआ हो।

उद्धव की शिवसेना का भाजपा पर तंज, कहा-

'मणिपुर फाइल्स' के नाम से बननी चाहिए फिल्म

मुंबई (एजेंसी)। मणिपुर में 2 महिलाओं को नग्न कर परेड कराने का मामला बढ़ता जा रहा है। इस मामले को लेकर राजनीति जबरदस्त तरीके से जारी है। इन सबके बीच उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना यूबीटी ने साफ तौर पर कहा कि मणिपुर फाइल्स नाम की एक फिल्म बनाई जानी चाहिए। आपको बता दें कि द कश्मीर फाइल्स नाम से एक फिल्म बनी थी जिसको लेकर खूब विवाद हुआ था। फिल्म निर्माताओं की ओर से दावा किया गया था कि कश्मीर में जो हालात देखे गए उसे पर्दे पर उतारने की कोशिश हुई है। हालांकि, फिल्म काफी सफल रही। लेकिन विपक्ष ने इसे केंद्र का एजेंडा बता दिया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह पर निशाना साधते हुए शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र 'सामना' के संपादकीय में कहा गया है कि इस पूर्वोत्तर राज्य में हिंसा एवं उत्पीड़न कश्मीर से भी बदतर है। चार मई को शूट किया गया एक वीडियो बुधवार को सामने आया है जिसमें मणिपुर में दो महिलाओं को कुछ लोग निर्वस्त्र कर परेड करवाते हुए नजर आ रहे हैं। इस घटना की देशभर में आलोचना हो रही है। शिवसेना (यूबीटी) ने कहा कि यदि उच्चतम न्यायालय ने इस घटना का संज्ञान नहीं लिया होता तो प्रधानमंत्री इस मुद्दे के बारे में कुछ नहीं बोलते। मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा था कि मणिपुर की घटना से 140 करोड़ भारतीय शर्मसार हुए हैं। उन्होंने कहा कि कानून पूरी ताकत के साथ काम करेगा तथा गुनहगार बख्शे नहीं जायेंगे।

सामना में कहा गया है कि हाल में 'ताशकंद फाइल्स', 'द केरल स्टोरी' और 'द कश्मीर फाइल्स' जैसी फिल्में बनी हैं। उसमें कहा गया है, '' उन्हीं लोगों को अब मणिपुर की हिंसा पर 'मणिपुर फाइल्स' नामक फिल्म भी बनानी चाहिए।'' शिवसेना (यूबीटी) ने कहा कि यदि राज्य में गैर भाजपा सरकार होती तो उसे अब तक बर्खास्त भी कर दिया गया होता। उसने आरोप लगाया कि मणिपुर प्रधानमंत्री के लिए राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण नहीं है, यही कारण है कि मणिपुर की स्थिति को नजरअंदाज किया जा रहा है। पार्टी ने कहा कि मणिपुर मेंकेंद्रीय अर्धसैनिक बलों के 60000 कर्मी तैनात हैं, फिर भी हिंसा कम नहीं हो रही है।

नहीं पकड़ाते तो पुणे में होता बड़ा बम ब्लास्ट, एनआईए ने उगलवाया राज

पुणे (एजेंसी)। एनआईए की गिरफ्त में आए आतंकवादियों ने बताया है कि उनकी प्लानिंग पुणे में बड़ा धमाका करने की थी। लेकिन इससे पहले ही वह गिरफ्तार हो गए। गौरतलब है कि महाराष्ट्र के पुणे जिले से हाल ही में दो संदिग्ध आतंकवादियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इनसे पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। जांच में पता चला है कि आरोपी पुणे शहर में मोटरसाइकिल के जरिये बम धमाके करने की साजिश रच रहे थे। इसके लिए यह लोग ड्रोन के जरिये पुणे शहर के कई भीड़भाड़ वाले और संवेदनशील इलाकों की रेकी की भी तैयारी कर रहे थे। एनआईए की जांच में पता चला है कि यह लोग बाइक में विस्फोटक रखकर धमाका करने की फ़िराक में थे। फ़िलहाल अब पुणे में इन आतंकियों के ठिकानों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। साथ ही उनके एक भगोड़े साथी की तलाश भी की जा रही है। फ़िलहाल मामले की जांच आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) को सौंप दी गई है। इस मामले में पुणे के पुलिस कमिश्नर रितेश कुमार ने 15 अगस्त के मद्देनजर शहर पुलिस बल को सतर्क रहने का आदेश दिया है। जाहिर है कि कुछ दिन पहले पुलिस ने मोहम्मद इमरान मोहम्मद यूसुफ खान उर्फ अमीर अब्दुल हमीद खान (23) और मोहम्मद यूनुस मोहम्मद याकूब साकी (24) दोनों को मीठा नगर, कोंढवा से गिरफ्तार किया था। यह दोनों आरोपी मूल रूप से रतलाम मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं। इन्हें पुणे के कोथरुड इलाके से दोपहिया वाहन चोरी करने की तैयारी करते समय गिरफ्तार किया गया था। जबकि उनका एक साथी मोहम्मद शाहनवाज आलम (31) फरार है। वह मूलरूप से पेलावल, हजारीबाग, झारखंड का रहने वाला है।

एनआईए ने दोनों के पास से फर्जी आधार कार्ड, ड्रोन सामग्री, कारतूस, पिस्टल पाउच, इलेक्ट्रॉनिक वजन कांटा बरामद किये गये हैं। एनआईए को शक है कि खान और साकी शहर में संवेदनशील जगहों की रेकी की तैयारी कर रहे थे। इस संबंध में दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। तलाशी के दौरान उनके पास से जब्त की गई गोलियों को जांच के लिए फोरेंसिक प्रयोगशाला में भेजा गया है। पुलिस ने एक कारतूस भी बरामद किया है लेकिन अभी तक पिस्टल नहीं मिली है। साकी और खान का संबंध आतंकी संगठन आईएसआईएस के उपसंगठन सूफा से बताया जा रहा है। और वे जयपुर में बम विस्फोट करने की तैयारी कर रहे थे।

देश की जनता 2024 में भी भ्रष्ट नेताओं को हराएगी: मौर्य

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को तीसरी बार-मोदी सरकार का नारा दोहराते हुए कहा कि देश की जनता 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में भ्रष्ट, परिवारवादी नेताओं के राजनीतिक भविष्य का फैसला पिछले दो लोकसभा चुनावों की तरह ही करेगी। मौर्य ने रविवार सुबह ट्वीट किया, देश की जनता ने 2014 और 2019 में जिस तरह से सत्ता वियोग में विलाप करने वाले और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विरोध करने वाले भ्रष्ट, परिवारवादी नेताओं के राजनीतिक भविष्य का फैसला किया था, वैसा ही वह 2024 में भी करने जा रही है। मौर्य ने 'तीसरी बार मोदी सरकार' हैशटैग के साथ यह ट्वीट ऐसे समय में किया है, जब उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस समेत विभिन्न विपक्षी दल मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाए जाने के मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर लगातार हमलावर हैं। इससे पहले मौर्य ने शनिवार शाम ट्वीट किया था, विपक्षी गठबंधन 2024 नहीं, 2029 के लोकसभा चुनाव की तैयारी करे। 2024 में जनता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में तीसरी बार सरकार बनवाने का फैसला ले लिया है।

मणिपुर की तुलना राजस्थान, पश्चिम बंगाल से करने पर चिदंबरम ने भाजपा की आलोचना की

- आरोप लगाया कि पूर्वोत्तर राज्य में सरकार नाकाम हो गई है, जबकि केंद्र स्वप्रेरित कोमा में चला गया है

नई दिल्ली। (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने मणिपुर के हालात की तुलना बिहार, पश्चिम बंगाल और राजस्थान से करने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर रविवार को निशाना साधा और आरोप लगाया कि पूर्वोत्तर राज्य में सरकार नाकाम हो गई है, जबकि केंद्र स्वप्रेरित कोमा में चला गया है। भाजपा पश्चिम बंगाल, राजस्थान और बिहार में महिलाओं पर हुए अत्याचार के मामले उठा रही है और इन्हें लेकर विपक्ष की 'चुप्पी' पर सवाल खड़े कर रही है, जबकि विपक्ष इसे हिंसा प्रभावित मणिपुर की स्थिति पर बहस से बचने के लिए ध्यान भटकाने की भाजपा की रणनीति बता रहा है। मणिपुर में अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में तीन मई को आदिवासी एकजुटता मार्च के आयोजन के बाद राज्य में भड़की जातीय हिंसा में अब तक 160 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। मणिपुर की आबादी में मेइती समुदाय के लोगों की संख्या लगभग 53 प्रतिशत है और वे ज्यादातर इंफाल घाटी में रहते हैं, जबकि नगा और कुकी जैसे आदिवासियों की आबादी 40 प्रतिशत है और वे पहाड़ी जिलों में रहते हैं।

चिदंबरम ने ट्वीट किया कि चलिए मान लेते हैं कि बिहार, पश्चिम बंगाल और राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएं हुई हैं। इससे मणिपुर में लगातार जारी हिंसा कैसे माफ हो सकती है? पूर्व गृह मंत्री ने कहा, 'क्या घाटी में कोई कुकी बचा है? क्या चुराचांदपुर और मणिपुर के अन्य पहाड़ी जिलों में कोई मेइती बचा है? उन्होंने कहा कि यदि रिपोर्ट सच है, तो मणिपुर में जातीय सफाया लगभग पूरा हो चुका है। चिदंबरम ने कहा कि वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन के अनुसार, मणिपुर में संवैधानिक सरकार का पतन हो गया है। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री और उनके मंत्रियों की हुकूमत उनके घरों और दफ्तरों से आगे नहीं चलती। चिदंबरम ने कहा कि मणिपुर की स्थिति की तुलना बिहार, पश्चिम बंगाल और राजस्थान की स्थिति से कैसे की जा सकती है? केंद्र सरकार न केवल अक्षम और पक्षपातपूर्ण रही है, बल्कि जब वह घृणित तुलनाओं के पर्दे के पीछे छिपती है तो वह संवेदनहीन और क्रूर भी हो जाती है।

जांच की हर स्थिति से गुजरने को तैयार है सीमा हैदर, बोली- वापस नहीं जाऊंगी

नोएडा (एजेंसी)। सीमा हैदर अब सीमा मीणा बन गई, उसने राष्ट्रपति को भेजी दया या?चिका में कुछ इस तरह से जिक्र करते हुए अपने पति के घर में रहने की इजाजत मांगी है। जानकारी के अनुसार जासूसी के संदेह में घिरी सीमा हैदर ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को दया याचिका भेजी है। यूपी एटीएस की फिर से शुरू हुई पूछताछ और जांच के बाद अपनी इस दया याचिका में सीमा ने कहा कि वह किसी भी एजेंसी से जांच को तैयार है। उसने कहा है कि यूपी एटीएस अभी उसके केस की जांच कर रही है, लेकिन वह सीबीआई, एनआईए और रॉ जैसी एजेंसियों से भी अपनी जांच करवाने को तैयार है। याचिका में सीमा की तरफ से यहां तक कहा गया है कि वह पॉलिग्राफ, ब्रेन मैपिंग, लाई डिटेक्टर और अपने बच्चों के डीएनए टेस्ट तक के लिए तैयार है। याचिका में सीमा हैदर ने खुद को सीमा मीणा बताते अपने पति सचिन मीणा के पैतृक घर में रहने की इजाजत मांगी है। उसने बताया है कि उसका पाकिस्तानी पति गुलाम हैदर चार साल पहले उसे तलाक दे चुका है। सचिन मीणा से उसने पूरे हिंदू रीति रिवाज से शादी की है। याचिका में सीमा की तरफ से दावा किया गया है कि वह गुलाम हैदर की दूसरी पत्नी थी और तलाक के बाद गुलाम हैदर तीसरी पत्नी के साथ रह रहा है। साथ ही, उसने पहली पत्नी के बच्चों को भी अपने साथ रखा हुआ है, जबकि तलाक के समय गुलाम हैदर ने उसके बच्चों को साथ रखने और गुजारा देने से भी मना कर दिया था।

याचिका में सीमा की ओर से कहा गया है कि जब अदनान सामी को भारतीय नागरिकता मिल सकती है और आलिया भट्ट और अक्षय कुमार यहां के नागरिक न होते हुए भी भारत में रह सकते हैं, तो वह शादी करके अपने पति के घर में क्यों नहीं रह सकती है। उसने कहा कि पाकिस्तान लौटने पर उसकी और उसके बच्चों की जान को खतरा है। वह भारत सचिन के प्यार के खातिर आई है। उनके प्यार को लैला-मजनू, हीर-रांझा, शीरी-फैयाद और सोनी-महिवाल की तरह भविष्य में याद किया जाएगा। उसकी ओर से कहा गया है कि वह सिर्फ प्यार की खातिर ही भारत आई है। इसलिए वह लौटकर वापस नहीं जाएगी। पति के साथ ही उसे यहां अपने ससुर और सास से जो प्यार, खुशी और शांति मिली है, वो उसे पहले कभी नहीं मिली है। याचिका में सीमा ने बताया है कि जो उसके पास से टूटा हुआ मोबाइल फोन बरामद हुआ है, वो पाकिस्तान का नहीं, बल्कि सचिन का दिया हुआ है। दया याचिका में सीमा ने कहा है कि अभी उसकी जांच चल ही रही है, वह पूरी तरह से निर्दोष है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

आम आदमी करें सवाल क्या हैं आखिर यह राज ?

सुरत मनपा के अधिकारीयों की संपत्ति में हुई कई गुणात्मक वुद्धि.

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सुरत, सुरत महानगर पालिका की हाल में ही बारिशों के मोसम में भष्टाचार की अनेकानेक बात सामने आये, जो सिर्फ पेपर पर ही पूरा किये जा रहे थे. इसके अलावा भी हालमेंकुछ दिनों पहले ही पहली बारिश होते ही फ्लाईओवर क्षतीग्रस्त हो गया था, जिसके बाद भी सुरत मनपा कमिश्नर श्री की कार्यपर भी अनेक सवालिया निशान खड़े हो रहे थे.

सुरत में बने ब्रिज के उद्घाटन के महीनों के भीतर ही ब्रिज पर आई दरारे, मनपा की खुली पोल जिसमें जनता के टेक्स की ११८ करोड़ की कीमतों से बना ब्रिज पानी में बह गया. लेकिन साथ में इसकी जाँच होनी चाहिए की ११८ करोड़ की ब्रिज पर खर्च कितना किया गया था. जिससे इतनी हल्की गुणवत्ता वाली ब्रिज का निर्माण किया किया था.

हालांकि इस तरह की रोड़. रास्ते भी इसी बारिश में सुरत मनपा की पोल खोल दिया.

क्या इन सवाल का जवाबदेही किसी की होंगी ?

1-कुछ ज़ोन के कार्यपालक और डे.कमिश्नर, ज़ोनल चीफ़ अचानक प्रथम क्रमांक पर
2-कई वर्षों से कुछ समिति जगहों पर कार्यरथ होने से सेटिंग्स.कॉम से हों रहे कार्य.
3-बिल्डर्स,जमीन माफियाओं,कांट्रेक्टर से मिली भेट आवक के मुख्य भाग.
4-पेपर्स पर ही रोड़, एंव अन्य कार्य दिखा कर बील कई रकम में बिल्ली बाँट.
5-नगरसेवक,अधिकारी, एंव अन्य कामकरने वाले एंजेंसियों इसमें संलग्न.
6-क्यों न हो पगार से ज्यादा आवक ?
7-सुरत मनपा कमिश्नर आखिर क्यों हैं मेहरबान कुछ के कार्यपालक और डे.कमिश्नर, ज़ोनल चीफ़ पर
8-आखिर क्या हुआ जो सिर्फ 15 दिनों में ही ज़ोनल चीफ़ की किया फेरबदल ?
9-एक ही ज़ोनल चीफ़ क्यों सांभल रहे हैं दो ज़ोन का चार्ज ?

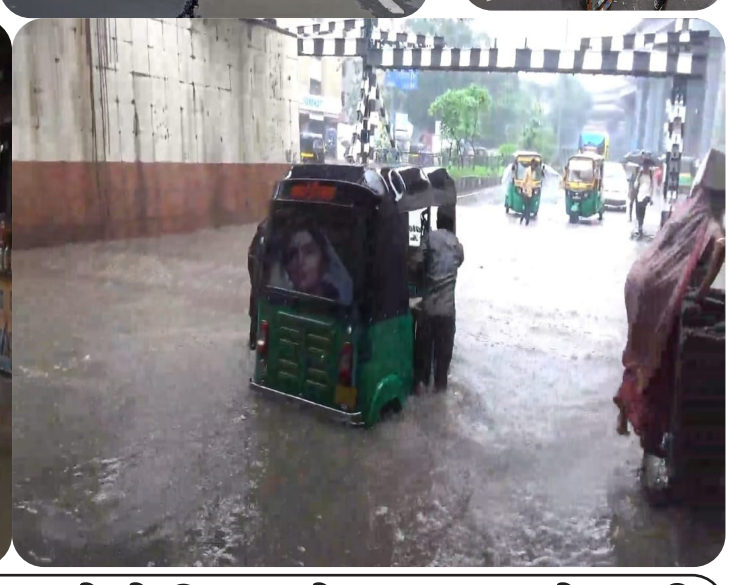

राज्य की किसी भी सड़क को रेसिंग ट्रेक बनाने की कोशिश की होगी सख्त कार्यवाही : हर्ष संघवी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत , गुजरात के गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने सड़कों पर स्टंट करने और बगैर लाइसंस चलाने वालों को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि कोई भी राज्य कि किसी भी सड़क को रेसिंग ट्रेक बनाने का प्रयास ना करें, वर्ना उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी। ऐसे मामलों में किसी प्रकार की सिफारिश काम नहीं आएगी। सूरत में हर्ष संघवी ने कहा कि

जो बच्चे वाहन लेकर स्टंट करते हैं वह तो जिम्मेदार ही हैं, साथ ही उनके अभिभावक भी उतने ही जिम्मेदार हैं। अभिभावक अपनी संतानों को मौजशौक के लिए लाइसंस ना होने के बावजूद उन्हें वाहन चलाने दे देते हैं। जिसकी वजह से कई परिवारों ने अपनी संतानें गंवा दी है। इसलिए मेरा सभी परिवारों से अनुरोध है कि अगर कोई नियमों का उल्लंघन करेगा उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी। जिसमें किसी प्रकार की सिफारिश या छूट से काम नहीं चलेगा। अहमदाबाद के इस्कॉन ब्रिज दुर्घटना के आरोपी तथ्य पटेल को लेकर हर्ष संघवी ने कहा कि उसका एक पुराना वीडियो भी वायरल हुआ है। उस मामले में रेस्टोरंट संचालक को बुलाकर उसकी शिकायत पर तत्काल एफआईआर दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि सूरत की रांदेर पुलिस ने मोपेड लेकर खतरनाक तरीके से वाहन चला रहे नाबालिग और उसके पिता के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। हर्ष संघवी ने परिवारों से हाथ जोड़कर अनुरोध किया कि अपने बच्चों के मौजशौख घर तक सीमित रखें। अगर कोई राज्य की किसी भी सड़क को रेसिंग ट्रेक बनाने की कोशिश करेगा तो उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। वह चाहे बच्चा हो या उसके पिता किसी को भी बख्शा नही जाएगा।

बरसाती पानी में बहे गैस एजंसी के दर्जनों सिलिडरों में 222 खाडी क्षेत्र से मिली,148 अब भी लापता

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

नवसारी,गुजरात में खासकर दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र में मेघा ने कहर बरपा रखा है। शनिवार को नवसारी में हुई भारी बारिश से काफी तबाही हुई है। नवसारी शहर तो मानो बेट में तब्दील हो गया था। नवसारी शहर के खत्तीवाड के निकट झूमूर गैस एजंसी में बरसाती भर गया है। करीब 10-12 फूट पानी भर जाने की वजह से कंपाउंड की दो दीवारें ढह गईं और उसके बाद गोदाम में रखे गैस सिलिंडर पानी में बहने लगे।

एजंसी के मुताबिक 370 जितने गैस सिलिंडर पानी में बह गए। गैस सिलिंडरों को बहता देख लोगों में भी दहशत फैल गई।

राहत की बात यह है कि सभी सिलिंडर खाली थे और गोदाम के पीछे खाड़ी में जांच करने पर 222 सिलिंडर बरामद कर लिए गए। जबकि 148 जितने सिलिंडरों की अब भी तलाश की जा रही है। घटना के बाद एजंसी संचालक ने कलेक्टर, आपूर्ति अधिकारी, गैस कंपनी समेत सभी संबंधित एजंसियों को सूचना दे दी थी। इस घटना से गैस एजंसी को करीब 10 लाख रुपए के नुकसान की आशंका है।

न्यायमूर्ति सुनीता अग्रवाल ने गुजरात उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर,राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने रविवार को न्यायमूर्ति श्रीमती सुनीता अग्रवाल को गुजरात उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ दिलाई। राजभवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष शंकर चौधरी, राज्य के विधि, न्याय, वैधानिक और संसदीय मामलों के मंत्री ऋषिकेश पटेल और मुख्य सचिव राज कुमार उपस्थित रहे। राज्यपाल

राजभवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने दिलाई शपथ

आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और मंचासीन महानुभावों ने पुष्प गुच्छ भेंट कर मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्रीमती सुनीता अग्रवाल को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

शपथ ग्रहण समारोह का संचालन राज्यपाल के प्रधान सचिव राजेश मांजू ने किया। राजभवन के प्रांगण में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में प्रोटोकॉल राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा, गांधीनगर के महापौर हितेश मकवाणा, गुजरात के लोकायुक्त जस्टिस आर.एच. शुक्ला, राज्य की सतर्कता आयुक्त श्रीमती संगीता सिंह, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. कैलाशनाथन, गुजरात उच्च न्यायालय न्यायमूर्तिगण, वरिष्ठ अधिकारी और आमंत्रित अतिथि उपस्थित रहे।

गुजरात के इन चार जिलों में रेड अलर्ट, 24 घंटों में भारी से अतिभारी बारिश की संभावना

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात में अगले दो दिन भारी बारिश का पूर्वानुमान है। खासकर राज्य के उन चार जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया है, जहां भारी से अतिभारी बारिश की संभावना है। ये जिले हैं सौराष्ट्र के राजकोट, भावनगर, देवभूमि द्वारका और दक्षिण गुजरात का वलसाड। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 24 घंटे इन चार जिलों में भारीसे अतिभारी बारिश हो सकती है।

वहीं वडोदरा, भरुच, सूरत, आणंद, नवसारी, कच्छ, जामनगर, पोरबंदर, जूनागढ़ में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। गुजरात के अन्य जिलों में छुटपुट बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने बोटाद में भी भारी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के मुताबिक सोमवार को उत्तर गुजरात के बनासकांठा, मेहसाणा और साबरकांठा में अतिभारी बारिश हो सकती है। सोमवार को ही सौराष्ट्र के पोरबंदर और देवभूमि द्वारका में अतिभारी बारिश होगी। जूनागढ़ और गिरसोमनाथ जिले में भी भारी बारिश का पूर्वानुमान है। गांधीनगर, अरवल्ली, नवसारी, वलसाड, दमन, दादरा नगर हवेली में अतिभारी बारिश की संभावना है। मंगलवार को दक्षिण गुजरात के जिलों में भारी बारिश हो सकती है। नवसारी, वलसाड के अलावा संघ प्रदेश दमन, दादरा नगर हवेली में भारी बारिश का अनुमान है। सौराष्ट्र के भावनगर जिले में भी मंगलवार को बारिश का मौसम विभाग का पूर्वानुमान है।

इस्कॉन ब्रिज दुर्घटना के मृतकों के लिए श्रद्धाजंलि सभा, आरोपी को फांसी देने की मांग

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद,शहर के इस्कॉन ब्रिज पर बुधवार की देर रात तेज रफ्तार कार ने कई लोगों को अपनी चपेट में ले लिया था। इस हादसे में कुल 10 लोगों की मौत हो गई थी। हादसे में मारे गए लोगों के लिए आज अहमदाबाद में श्रद्धाजंलि सभा आयोजित की गई। जिसमें बड़ी संख्या में शामिल लोगों ने आरोपी को फांसी की सजा देने की मांग की। बता दें कि बुधवार की रात अहमदाबाद के एसजी हाईवे स्थित इस्कॉन ब्रिज पर एक दुर्घटना हुई थी। जिसकी वजह से कई लोग वहां जमा हो गए थे। उसी दौरान तेज रफ्तार में आई जगुआर कार ने ब्रिज पर खड़े कई लोगों को उड़ा दिया। इस हादसे में 9 लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी। जबकि एक पुलिसकर्मी की दूसरे दिन अस्पताल में मौत हो गई थी। इस घटना को लेकर लोगों में जबर्दस्त आक्रोश है। हादसे में बोटाद के तीन युवकों की मौत को लेकर पाटीदार समाज समेत अन्य समाज के लोगों की उपस्थिति में अहमदाबाद उमिया केम्पस में श्रद्धाजंलि सभा का आयोजन किया गया था। जिसमें दुर्घटना के शिकार पाटीदार युवक रोनक, कृणाल और अक्षर को श्रद्धाजंलि दी गई। श्रद्धाजंलि के अंतर्गत रक्तदान शिबिर का आयोजन भी आयोजन किया गया। उमिया केम्पस मं् आयोजित श्रद्धाजंलि सभा में बड़ी संख्या में पाटीदार समेत अन्य समाज के लोग और संत भी शामिल हुए। पाटीदार समाज के अग्रणी मनसुख कोरडिया ने इस्कॉन दुर्घटना के आरोपी के खिलाफ सख्त से सख्त सजा देने की मांग की।

वांसदा तालुका का केलिया बांध ओवरफ्लो

बांध के आसपास के गांवों को सिस्टम द्वारा अलर्ट किया गया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

दक्षिण गुजरात सहित नवसारी जिले में भारी बारिश के कारण वंसदा तालुका में केलिया बांध ओवरफ्लो हो गया है। जिला प्रशासन की ओर से बांध के आसपास के ग्रामीणों को सावधान रहने का निर्देश दिया गया है. नवसारी जिले में मूसलाधार बारिश के कारण नदियां और झीलें उफान पर हैं. जिले में भारी बारिश के कारण वांसदा तालुक की जीवन रेखा कालिया बांध ओवरफ्लो हो गया है. जिला प्रशासन ने एहतियात के तौर पर बांध के नीचे बसे गांवों के लोगों को खरेरा नदी के तलहटी में आवाजाही न करने और सावधानी बरतने की हिदायत दी है.

केलिया बांध से प्रभावित गांवों में काकडवेल, मांडवाखडक, गोडथल, कानभाई, सियादा, मोगरावाडी, अमधारा, घेज, मालियाधारा, सोलधारा, पिपलगभन, घोलर, कालियारी, बलवाड़ा, तेजलाव, खेरगाम तालुक में वड और चिखली तालुक में गांडीवी तालुक में उंडाच, गोयंडी, वाघरेच, खापरवा शामिल हैं। वर्तमान में, कालिया बांध जलाशय का अतिप्रवाह स्तर 113.40 मीटर और जलाशय स्तर 113.45 मीटर है।

नवसारी में नगर पालिका ने पानी में बह गए मलबे और गंदगी को हटाने के लिए सफाई अभियान

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

नवसारी शहर में कल केवल चार घंटों में 13 इंच तक बारिश हुई, जिससे शहर की सड़कें जलमग्न हो गईं, जिन इलाकों में कभी बाढ़ का पानी नहीं देखा था, वे जलमग्न हो गए। अब बारिश का पानी उतरने के बाद नगर निगम की टीम शहर में सफाई अभियान में जुट गई है.

बारिश के पानी से नाले में पानी भर गया। नवसारी शहर में बारिश के मौसम के साथ-साथ खाड़ियाँ भी उभर आईं और नालों का पानी सड़कों पर भर गया, जिससे गंदगी फैल गई, नवसारी विजलपुर नगर पालिका ने खाड़ियों और नालों का प्रबंधन ठीक से नहीं किया, कम बारिश के कारण ही शहर में बाढ़ की

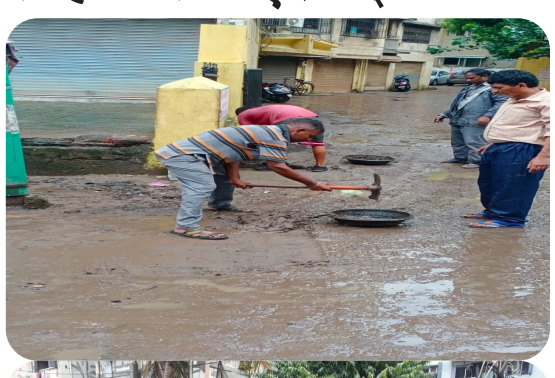

समस्या देखी गई है। हर साल विकराल होती जा रही इस समस्या से निपटने के लिए नगर पालिका को एक ठोस योजना बनाने की जरूरत है, ताकि भारी बारिश के दौरान सड़क पर जमा होने वाले पानी को नालियों के माध्यम से जल्द से जल्द शहर से बाहर निकाला जा सके